प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर
गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 02, 20 अप्रैल से 26 अप्रैल 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

द फैमिली मैन के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट 3

लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ का धमाकेदार आगाज

लखनऊ

राजधानी लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शनिवार को सांसद खेल महाकुंभ का धमाकेदार आगाज हुआ। रक्षामंत्री एवं सांसद राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर रक्षामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से कई सांसदों ने अपने क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर समाज के विकास के लिए एक नई राह तैयार की है। इस कड़ी में अब लखनऊ का नाम भी जुड़ गया है। किसी भी समाज के विकास के लिए यह जरूरी है कि खेल और खिलाड़ियों को महत्व दिया और उन्हें समझा जाए।

रक्षामंत्री ने आगे कहा कि लखनऊ शहर अपने स्पोर्टिंग कल्चर के लिए उत्तर प्रदेश में ही नहीं, देश विदेश में भी जाना जाता रहा है। जिन महान हॉकी खिलाड़ी

केडी सिंह बाबू के नाम से यह स्टेडिमय जाना जाता है, उन्होंने यहां पर काफी लंबा समय बिताया है। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद ने भी लखनऊ को खासा समय दिया है। यहां की खेल संस्कृति को उन्होंने संवारा और निखारा है। उनके बेटे अशोक कुमार और ओलंपियन जमन लाल शर्मा की भी यह कर्मभूमि रही है। अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि एक समय था जब

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया उद्घाटन

इसी केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शीशमहल ट्रॉफी के नाम पर क्रिकेट टूनामेंट होता था। टीम इंडिया के बड़े-बड़े खिलाड़ी यहां खेलते नजर आते थे। भले ही वह टूनामेंट अब नहीं होता, लेकिन उसकी स्मृतियां आज भी लोगों के जेहन में कायम हैं। आज यह सांसद खेल महाकुंभ भी लखनऊ के स्पोर्टिंग कैलेंडर से जुड़ चुका है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्पोर्टिंग कल्चर का विकास हुआ है। पहले भारतीय खिलाड़ी जीतने से अधिक पार्टिसिपेट पर ही संतुष्ट हो जाया करते थे। लेकिन, आज भारत के खिलाड़ी पूरी दुनिया में जहां भी खेले, उन्हें गंभीरता से लिया जाता है। यह बहुत ही गौरव का विषय है। इसका सबसे बड़ा कारण बदलावों के बीच हमारी केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की स्पोर्ट्स फ्रेंडली पॉलिसी भी है। आज खेलो इंडिया के तहत तीन हजार से अधिक खिलाड़ियों को प्रति माह 50 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। जो उन्हें प्रशिक्षण, आहार, किट और उपकरण सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है।

जमीनी स्तर पर खेलो इंडिया केंद्रों पर इस समय हजारों खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। मैं सभी खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज महाकुंभ जो यहां आयोजित किया गया है, उसके परिणाम आने वाले वर्षों में साफ दिखाई देंगे। जब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल कर लखनऊ की धरती पर लौटेंगे।

रचनाकारों-खरीदारों व बाजारों के बीच वैश्विक कनेक्टर बना वेव्स: वैष्णव

नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रचनाकारों की दुनिया और उनकी अर्थव्यवस्था एक मौलिक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। वेव्स बड़े पैमाने पर रचनात्मक समाधानों के लिए रचनाकारों, खरीदारों और बाजारों के बीच वैश्विक कनेक्टर के रूप में उभर रहा है। इसके जरिये खरीदारों और विक्रेताओं को एक मंच मिल रहा है, जहां रचनाकार अपनी रचनाएं पेश कर सकते हैं और कंपनियां गुणवत्तापूर्ण रचनात्मक कार्य हासिल कर सकती हैं।

वैष्णव ने मुंबई में 1 से 4 मई तक होने वाले पहले विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) से पहले शनिवार को समाचार मीडिया संगठनों के साथ विचार-विमर्श किया। इसमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार मीडिया के करीब 20 मीडिया घरानों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के आने के साथ पुराना मॉडल नए मॉडल के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है। इससे अवसरों के साथ-साथ चुनौतियां भी पैदा हो रही हैं। मीडिया जगत का स्वरूप बदल रहा है और नए मॉडल के लिए प्रतिक्रिया देने के लिए पूरे देश की सामूहिक आवश्यकता है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि वे दिन गए जब कंटेंट बनाने के लिए बड़े स्टूडियो की आवश्यकता होती थी। मौजूदा समय में झारखंड या केरल के किसी सुदूर गांव का कोई भी क्रिएटर अच्छी गुणवत्ता वाला कंटेंट तैयार कर सकता है और उसे लाखों व्यूज मिल सकते हैं। वैष्णव ने कहा कि वेव्स के लिए एक लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं। इससे भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को भारी प्रोत्साहन मिला है। इसमें 750 शीर्ष स्तरीय रचनाकार अपने कार्य का प्रदर्शन करेंगे। शीर्ष नवप्रवर्तकों को पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा, जो विकसित वैश्विक मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य में उनके योगदान का उत्सव मनाएंगे।

मॉब लिंचिंग पीड़ितों के लिए एक समान मुआवजा जरूरी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट 23 अप्रैल को एक अहम याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें भीड़ हिंसा (मॉब लिंचिंग) और घृणा अपराधों के पीड़ितों को मुआवजा देने में समानता (एकरूपता) लाने की मांग की गई है। यह याचिका इंडियन मुस्लिम्स फॉर प्रोग्रेस एंड रिफॉर्म्स नामक संगठन ने दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2023 में इस पर केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा था। याचिका में कहा गया है कि 2018 के तहसीन पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग के मामलों पर कड़ी टिप्पणी करते हुए पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने की बात कही थी। लेकिन अब तक कुछ राज्यों ने अलग-अलग योजनाएं बनाई हैं, जिनमें कोई समानता नहीं है, और कई राज्यों ने तो ऐसी कोई योजना अब तक बनाई ही नहीं है। मामले में याचिकाकर्ता की मांग है कि सभी राज्यों में एक समान मुआवजा नीति लागू हो। मुआवजा देना पीड़ित की धार्मिक पहचान या मीडिया दबाव पर नहीं, बल्कि न्याय, निष्पक्षता और संवैधानिक अधिकारों के आधार पर हो।इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट के 2018 के आदेशों का पूरी तरह पालन कराया जाए।

सीएम योगी ने राणा सांगा को लेकर सपा पर बोला करारा हमला

'ये लोग जिन्ना का महिमा मंडन करते हैं'

गोरखपुर

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीमराव आंबेडकर ने अभाव अपमान में अपना रास्ता बनाकर सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए सम्मान दिलाया। विपक्ष के लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ाना चाहते हैं। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ळश्ील्ल्र्ल्लिॅ श्रींङ्ग्र

भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 में अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ी जाति और महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहेब के कारण ही हो पाया। सीएम डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता का संदेश देने वाला भारत का संविधान बाबा साहेब ने दिया। यह प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता है। सीएम ने कहा आखिर वो कौन से कारण थे जिनके कारण बाबा साहेब पीड़ित थे। बाबा साहेब ने संविधान तैयार किया,लेकिन कांग्रेस ने उसमें संशोधन किए। इससे बाबा साहेब परेशान हुए। कांग्रेस उनको संविधान सभा में नहीं भेजना चाहती थी। लेकिन उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें शामिल किया गया और ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष बने।

लेकिन बाबा साहेब ने ऐसा संविधान दिया जो भारत को दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है। समाजवादी पार्टी ने अपने गठन के बाद षडयंत्र किए जिसके कारण समाज में अराजकता पैदा हो। कांग्रेस ने तो 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था। उनके 78 हजार वोट को रद्द करवा दिया। 1954 के उपचुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहेब के निजी सचिव को तोड़कर चुनाव लड़वा दिया। इसमें भी वह हार गए।

आज कांग्रेस के नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी को संविधान की प्रति लेकर घूमता देखता हु तो लगता है यही कांग्रेस थी जो उनका विरोध करती थी। अपने 65 वर्षों में बाबा साहेब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया। कांग्रेस ने ज्यादातर समय यूपी और देश में शासन किया लेकिन एक भी स्मारक नहीं बनाया।

इंग्लैंड के जिस भवन में रहकर बाबा साहेब ने डिग्री ली थी उसे वहां की सरकार बेच रही थी। मोदी सरकार ने उसे लेकर स्मारक बनाया। बाबा साहेब के पांच तीर्थ बनने में सपा, कांग्रेस या आरजेडी किसी का योगदान नहीं है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के नाम से मनाया जाता है।

बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है: योगी

बाबा साहेब के नाम पर भाषण देने वाले अनेक आएंगे लेकिन उनके आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है। उन्होंने कहा था अपने अनुयायियों से की शिक्षित बनो, अन्याय के खिलाफ संगठित रहो। हैदराबाद में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा था लेकिन बाबा साहेब ने पत्र लिख कहा था कि निजाम के सामने झुकना नहीं, किसी भी हाल में इस्लाम को न स्वीकारना। कुशीनगर में मुसहर जाति के लोग भूख से मरते थे, कोई ध्यान नहीं देता था। पीएम स्वामित्व योजना में यूपी में एक करोड़ लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित कर दिए। ये काम सपा, बसपा और कांग्रेस ने क्यों नहीं किया। संसद के तौर पर जब कुशीनगर में मुसहर जाति के लोगों के पास गया तब पता चला कि उनके राशन कार्ड सपा के पदाधिकारियों के पास थे। वो गरीबों का राशन उठते थे। डबल इंजन की सरकार जीरो पावर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रही है। 2017 के पहले यूपी में लोगों को राशन क्यों नहीं मिल पाता था। इंसेफलाइटिस को पूरी तरह समाप्त किया जा चुका है। बाबा साहेब अनुसूचित जाति के लोगों से कहते थे शिक्षित बनो। सपा ने कांशीराम के नाम से बने विश्वविद्यालय को उर्दू फारसी अरबी विश्वविद्यालय बना दिया।

'ये लोग केवल वोट बैंक के रूप में अनुसूचित जाति को इस्तेमाल...'

ये लोग केवल वोट बैंक के रूप में अनुसूचित जाति को इस्तेमाल करना चाहते हैं। इन्होंने चार बार के शासन के गरीबों को मकान और राशन तक नहीं दिलवाया। अनुसूचित जाति को छात्रवृत्ति रोक दी। ये कार्य करते थे कि विकास हो लेकिन मेरा हो परिवार का हो। परिवार के आगे नहीं निकल पाए। मोदी सबको साथ लेकर चलते हैं। आज ये लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ना चाहते है। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं।

मणिपुर सरकार का निर्देश- हथियार लाइसेंसधारकों और डीलरों के जांचे जाए कागजात, आदेश न मानने पर होगी सजा

इंफाल

मणिपुर सरकार ने राज्य के सभी जिलों में हथियार लाइसेंस रखने वालों और हथियार डीलरों के कागजों की जांच करने का निर्देश दिया है। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी। गृह विभाग के आयुक्त ने सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों (उपायुक्तों) से कहा है कि वे अपने-अपने जिलों में हथियार लाइसेंसधारकों और डीलरों के दस्तावेजों की जांच करें। अधिकारी ने बताया कि इस आदेश का पालन नहीं करने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है और संबंधित व्यक्ति को सजा भी हो सकती है। इसी बीच, मणिपुर पुलिस ने कांगपोकपी जिले के लिए अलग आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि इस जिले के सभी हथियार लाइसेंसधारक और डीलर 25 अप्रैल तक अपने हथियार लाइसेंस की खुद से सत्यापित प्रति और एक निर्धारित फॉर्म भरकर अपने नजदीकी पुलिस थाने में जमा करें। स्थानीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने गांवों में लाइसेंसधारकों को इस प्रक्रिया की जानकारी दें और यह सुनिश्चित करें कि सभी लोग समय पर दस्तावेज जमा करें। सरकार की सख्ती का क्या है कारण? हाल के दिनों में मणिपुर में हिंसा और हथियारों के दुरुपयोग की घटनाओं के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। सरकार का मकसद है कि सभी हथियार कानूनी रूप से लाइसेंस प्राप्त हों और कोई भी अवैध हथियार का उपयोग न कर सके। सरकार ने सभी लाइसेंसधारकों से अपील की है कि वे समय पर अपने दस्तावेज जमा करें और जांच प्रक्रिया में सहयोग करें, ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे और किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाता है तो संसद को बंद कर देना चाहिए: सांसद निशिकांत दुबे

नई दिल्ली

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वक्फ (संशोधन) कानून पर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से संसद द्वारा पारित कानून में हस्तक्षेप पर सवाल उठाते हुए न्यायपालिका पर हमला बोला है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने न्यायपालिका की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा, "अगर अदालत कानून बनाने का काम करती है तो संसद का अस्तित्व निरर्थक हो जाता है।"

इसके साथ ही भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद को बंद कर देना चाहिए।" उनके इस पोस्ट को कानून के विभिन्न पहलुओं को परखने और कमोबेश उसे निलंबित करने में न्यायपालिका की भूमिका की अप्रत्यक्ष आलोचना के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, 16 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने नए संशोधित वक्फ अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को इसी महीने की शुरूआत में संसद के दोनों सदनों से पारित किया गया था। इन संशोधनों के विरोध में कुछ याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट की शरण में चले गए। याचिकाओं में वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को अनुमति देने और 'वक्फ बाय यूजर' जैसे प्रावधानों पर सवाल उठाए गए हैं।

याचिकाओं की सुनवाई के दौरान केंद्र ने भरोसा दिलाया कि अदालत के अगले आदेश तक किसी भी वक्फ बोर्ड या परिषद में किसी भी गैर-मुस्लिम को जगह नहीं दी जाएगी या नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने यह भी प्रतिबद्धता जताई कि इस अंतरिम चरण के दौरान जिला कलेक्टर 'वक्फ बाय यूजर' के रूप में पहचानी गई किसी भी संपत्ति को डीनोटिफाई नहीं करेंगे या उनके वर्गीकरण में किसी तरह का बदलाव नहीं करेंगे।

इस आश्वासन के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सभी प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 5 मई को निर्धारित की।

तीर्थयात्रियों-पर्यटकों को निशाना बना रहे साइबर ठग

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने चारधाम तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन बुकिंग धोखाधड़ी के बारे में लोगों को सचेत किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने चेतावनी में कहा, ये धोखाधड़ी फर्जी वेबसाइटों, भ्रामक सोशल मीडिया पेजों, फेसबुक पोस्ट और गूगल जैसे सर्च इंजनों पर विज्ञापनों के जरिये की जा रही है। समन्वय केंद्र के मुताबिक, इस धोखाधड़ी में पेशेवर दिखने वाली, लेकिन फर्जी वेबसाइटें, सोशल मीडिया प्रोफाइल और व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर विभिन्न सेवाएं देने का दावा किया जा रहा है। इनमें केदारनाथ के लिए हेलिकॉप्टर बुकिंग, चारधाम तीर्थयात्रियों के लिए गेस्ट हाउस-होटल बुकिंग, ऑनलाइन टैक्सी आरक्षण, हॉलिडे पैकेज व धार्मिक पर्यटन शामिल हैं। नागरिकों की सुरक्षा के लिए फर्जी वेबसाइटों, विज्ञापनों तथा फर्जी सोशल मीडिया खातों पर रोक लगाई जा रही है।

देश के पहले प्रोटोटाइप फास्ट-ब्रीडर रिएक्टर की अगले साल सितंबर में होगी शुरूआत

नई दिल्ली

तमिलनाडु के कलपक्कम में भारत के पहले प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के अगले साल सितंबर में शुरू होने की उम्मीद है। यह रिएक्टर देश के तीन-चरणों वाले न्यूक्लियर प्रोजेक्ट का दूसरा चरण शुरू करेगा, जिसका मकसद रेडियोधर्मी कचरे को रिसाइकल कर बिजली बनाना है।

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) ने इस रिएक्टर को डिजाइन किया था। यह अपनी तरह का पहला परमाणु रिएक्टर है जो ईंधन के रूप में प्लूटोनियम आधारित मिश्रित ऑक्साइड का इस्तेमाल करेगा और ठंडा रखने के लिए तरल सोडियम का उपयोग करेगा। यह दबावयुक्त भारी जल रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) के खर्च किए गए ईंधन का भी उपयोग करेगा, जो वर्तमान में भारत में परमाणु ऊर्जा का मुख्य आधार है। देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का संचालन सरकारी कंपनी भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) करता है जबकि कलपक्कम में पीएफबीआर का विकास भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम (भाविनी) कर रहा है। इस रिएक्टर की क्षमता 500 मेगावाट है और यह अपने अंतिम चरण में है। उम्मीद है, यह 2025-26 तक बिजली उत्पन्न करना शुरू कर देगा। इस रिएक्टर के सितंबर 2026 तक पूरी तरह से चालू होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल मार्च में परमाणु रिएक्टर में कोर लोडिंग का शुभारंभ देखा था। पिछले जुलाई में परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) ने पीएफबीआर के लिए ईंधन भरने, क्रिटिकलिटी के लिए प्रथम दृष्टिकोण और कम-शक्ति भौतिकी प्रयोगों के संचालन की अनुमति प्रदान की थी।

महाराष्ट्र का शेतपाल: अनोखी है गांव की कहानी

जहां इंसानों संग परिवार की तरह रहते हैं जहरीले कोबरा सांप

मुम्बई

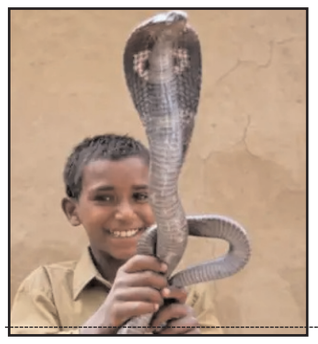

महाराष्ट्र का शेतपाल एक ऐसा गांव है, जहां सांप कभी भी, किसी भी समय आ जा सकते हैं। वह गांव में, घर में चीटियों की तरह यहां-वहां रेंगते हैं। सांप की आवाजाही पर किसी भी तरह की रोक नहीं है। दिलचस्प बात है कि ये सांप 2600 से अधिक ग्रामीणों में से किसी को भी कोई नुकसान नहीं करते हैं।

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में पुणे से लगभग 200 किमी दूर एक शांत जगह है। यहां एक अनोखा गांव है, जहां लोग सांपों से डरते नहीं, बल्कि उन पर विश्वास करते हैं। इस गांव में कोबरा सांप वन्यजीव नहीं हैं, बल्कि परिवार का हिस्सा हैं। इस रहस्यमय गांव का नाम है शेतफल। यहां जहरीले सांप और इंसान एक ही छत के नीचे शांति से रहते हैं। शेतफल में कोबरा सांपों के लिए खास जगह बनी हुई है, जिसे 'देवस्थानम' कहते हैं। यह अद्भुत रिश्ता दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है।

गांव के लोग, बच्चे, सभी उनसे डरते नहीं हैं। वे सांपों को भगवान शिव का दूत मानकर उनका सम्मान करना सीखते हैं। लोगों का मानना है कि यह आपसी समझ और भगवान के आशीर्वाद से होता है।

यहां सांप के काटने से नहीं होती मौत

शेतफल में सांपों के काटने से कोई मौत नहीं होती, यह आश्चर्य की बात है। लगभग हर घर में कोबरा सांपों के लिए एक खास जगह होती है, जैसे कि छेद या कोना। ये सांप पालतू नहीं होते। ये भारतीय कोबरा हैं, जो जंगली हैं और अपनी मर्जी से कहीं भी आ-जा सकते हैं।

सदियों पुरानी सांपों की परंपरा

इस अनोखी परंपरा की जड़ें सदियों पुरानी हैं। यह गांव के लोगों की हिंदू देवताओं में आस्था से जुड़ी है। यहां सांपों को पालतू जानवर की तरह नहीं, बल्कि भगवान के मेहमान के रूप में पूजा जाता है। नाग पंचमी के दिन यहां खास उत्सव होता है। इस दिन भारत के कोने-कोने से पर्यटक आते हैं। लोग सांपों के देवता, नाग देवता की पूजा करते हैं और पुजारी मंत्र पढ़ते हैं।

सांपों को कैद करना मानते हैं गलत

एक और आश्चर्यजनक बात यह है कि यहां सांपों को कैद में रखना गलत माना जाता है। सांप आजाद हैं, और यह उत्सव पूरी तरह से आध्यात्मिक है, दिखावटी नहीं। इस दिन महिलाओं की खास भूमिका होती है। वे व्रत रखती हैं और सांपों की रंगोली बनाती हैं। वे मिट्टी के दीये जलाकर अपने परिवार की खुशहाली और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हैं। हैरानी की बात है कि दशकों से किसी ने भी कोबरा सांपों को भगाने की कोशिश नहीं की है। उन्हें भगवान का आशीर्वाद और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। आजकल भारत में इंसानों और जानवरों के बीच झगड़े बढ़ रहे हैं। शहरों में तेंदुए और गांवों के पास हाथी दिखाई दे रहे हैं।

सम्पादकीय

35 दवाओं पर फिर लगी पाबंदी

जिन दवाओं को जोखिम के दायरे में पाया जाता है, उनके परीक्षण और उसके नतीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हुए बिना आम लोगों के लिए उसके उत्पादन, बिक्री या वितरण की इजाजत किस आधार पर दी जाती है? केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पैंतीस दवाओं पर पाबंदी लगाने का निर्देश आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर एक जरूरी कदम है। मगर इससे एक बार फिर यही साफ होता है कि दवा कंपनियां किस तरह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं। गौरतलब है कि सीडीएससीओ ने पैंतीस ह्यफिक्स्ड-डोज काम्बिनेशनह्ल यानी एफडीसी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को रोकने का निर्देश दिया है, जिनमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी पूरक आहार और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं। इस प्रतिबंध का उद्देश्य इन दवाओं की वजह से जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने पैदा हो रहे खतरों को रोकना है। मगर सवाल है कि सरकार के संबंधित महकमों के तहत एक व्यापक तंत्र होने के बावजूद ये दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंचती हैं। किसी भी दवा के उत्पादन और उसके बाद बाजार में आकर एक जरूरतमंद उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया होती है। अगर कुछ दवाएं लंबे समय तक बाजार में बिकती रहती हैं तो उससे उपजे जोखिम के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है? पिछले वर्ष अगस्त में भी बुखार, सर्दी, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सौ छप्पन एफडीसी दवाओं पर पाबंदी लगा दी गई थी। तब भी यह कहा गया था कि ये दवाएं इंसान के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ऐसे निर्देश अक्सर जारी किए जाते रहे हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि सख्ती के बावजूद फिर से कुछ ऐसी दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंच जाती हैं। दवा कंपनियों के लिए वे कैसे नियम-कायदे तय किए गए हैं, जिसके तहत वे ऐसी दवाओं का उत्पादन करती हैं और उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है, जो इंसानों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं? अगर ऐसी दवाएं बनाने वाली कंपनियां राज्यों के प्राधिकरणों से इसके लिए लाइसेंस मिलने को ढाल बनाती हैं, तो क्या इन कंपनियों के साथ-साथ उन्हें इजाजत देने वाले संबंधित महकमों को भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा? सही है कि सीडीएससीओ ऐसी दवाओं को चिह्नित करती है और उसे प्रतिबंधित करने का फैसला करती है। मगर जितने दिनों तक लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाली ऐसी दवाएं बिकती रहती हैं, जरूरतमंद लोग उन दवाओं का सेवन करते हैं, उसका क्या और कितना असर पड़ता होगा? पैंतीस या एक सौ छप्पन दवाओं पर पाबंदी लगाने की नौबत तभी आई, जब उसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया। अगर किसी बीमारी के इलाज के क्रम में दी जाने वाली दवा को खतरनाक पाया जाता है, तो यह सुनिश्चित कब होता है? जिन दवाओं को जोखिम के दायरे में पाया जाता है, उनके परीक्षण और उसके नतीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हुए बिना आम लोगों के लिए उसके उत्पादन, बिक्री या वितरण की इजाजत किस आधार पर दी जाती है? सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बिना वैसी दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस कैसे जारी कर दिया गया और चिकित्सक उनके सेवन की सलाह किस आधार पर देते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है?

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

ललित गर्ग

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासतः आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीजा का ग्रेट पिरामिड आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को इंकाओं का खोया हुआ शहर भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है।

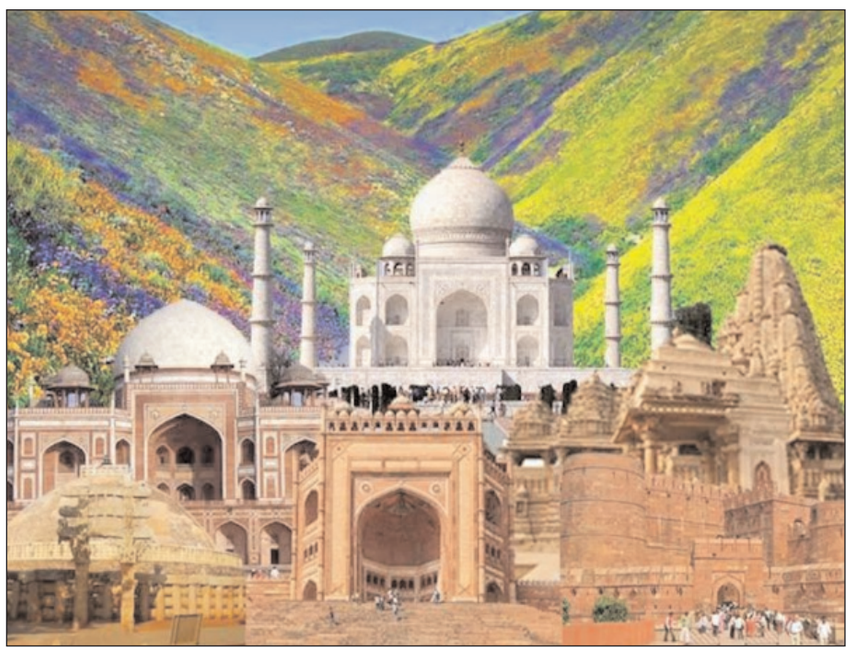

इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्जा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना एल कैस्टिलो पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्जा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है। भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के दफन टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है। विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। हजारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दशार्ती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने जरूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हजारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं। विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

मुर्शिदाबाद हिंसा कांड पर कुछ अनुत्तरित सवाल

चेतनादित्य आलोक

और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की। उग्र भीड़ में शामिल आततायियों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग 04 दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं। और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखो देखी घटनाएं टीवी पर बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत ने जैसा टीवी पर बताया उसके अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आततायियों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भीड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे। उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदां व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की ह्यममताह्ल अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम-से-कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है।

वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है। उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी मृतकों और घायलों से मिलने उनके आंसू पोंछने के बजाए लगभग एक वर्ष के बाद होने वाले बंगाल चुनाव की गोटियां बिछाने में लगी हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा नहीं होता तो वह कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचकर इमामों से मिलने के बजाए मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के पीड़ित-प्रताड़ित, खौफजदां, बेबस और लाचार भुक्तभोगी परिवारों से मिलने, उनको मदद पहुंचाने और उनका दुःख-दर्द बांटने जातीं। यदि यह भी मान लें कि उनकी कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी, तो कम-से-कम पीड़ितों को सांत्वना देने और ढाढ़स बंधाने के लिए वह अपना एक प्रतिनिधि ही भेज देतीं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा भी नहीं किया है। हां, मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा उन्होंने अवश्य की है। बहरहाल, उक्त घटना के गर्भ से कुछ बेहद गंभीर सवाल उठे हैं, जो सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को कठघरे में खड़े करने की ताकत रखते हैं। जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं। और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाया गया था, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया। यह भी, कि इसके लिए बाकायदा 02 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचकर दंगा भड़काने और स्थानीय मदरसों से मदद लेने की भी बातें शामिल हैं। इस पर दो बेहद गंभीर सवाल बनते हैं। पहला, यह कि हम हिंदुओं को प्रताड़ित करने के लिए किस मुह से यूनुस को दोष दें। उनसे कैसे कहें कि बांग्लादेश में हिंदू असुरक्षित और पीड़ित हैं, जबकि सच तो यह है कि हिंदू बंगाल में भी सुरक्षित नहीं हैं। दूसरा सवाल, यह कि राज्य और केंद्र की हमारी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं कि तुर्की में बनी और बांग्लादेश के रास्ते मुर्शिदाबाद तक पहुंची योजना को हम विफल नहीं कर पाए। जब हिंसा के दौरान बांग्लादेश से भारत में 71-150 कॉल किए गए, तब हमने उन्हें इंटरसेप्ट क्यों नहीं किया। वास्तव में ये कुछ सवाल हैं, जिनके उत्तर मिलना अभी शेष हैं।

अशिक्षा के स्कूल (व्यंग्य)

संतोष उत्सुक

नया सत्र शुरू होते ही अभिभावकों के शरीर में आक्रोश बढ़ने लगता है। बाल अधिकार संरक्षण आयोग, शिक्षा मंत्री, उचित शिक्षा को कटिबद्ध सरकार और समाचार पत्रों को सूचित किया जाता है। कई जागरूक अखबार अभियान चलाते हैं। अधिकांश अभिभावक स्कूल प्रबंधन के खिलाफ शिकायत करने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। ऊंची कुर्सी वाले अफसर के पास जाते हैं लेकिन जांच कमेटी गठित करने से ज्यादा उनके वश में भी नहीं होता । जांच कमेटी जांच कर सकती है, रिपोर्ट दे सकती है। सही रिपोर्ट देने में देर लग सकती है जी। रिपोर्ट आने के बाद जांच का ऊंट किस करवट बैठता है कह नहीं सकते। इस बारे हर कहीं पहुंचे हुए ज्योतिषी भी नहीं बता सकते। नया सत्र शुरू होते ही अभिभावकों के शरीर में आक्रोश बढ़ने लगता है। बाल अधिकार संरक्षण आयोग, शिक्षा मंत्री, उचित शिक्षा को कटिबद्ध सरकार और समाचार पत्रों को सूचित किया जाता है। कई जागरूक अखबार अभियान चलाते हैं। शिक्षा विभाग सख्त निगरानी करता है। कई स्कूलों के छात्र और अभिभावक प्रदर्शन भी करते हैं। जो नेता पहले विपक्ष में थे, अब सरकार में हैं उन्हें परिस्थितिवश शांत रहना पड़ता है। यह स्वाभाविक होता है जी। पहले शासित, अब शासक होने पर भी इंसानियत के नाते जागरूक अभिभावकों के सक्रिय सहयोग से प्रतिनिधि मंडल विकसित करते हैं। आरोप लगाया जाता है बिना पूर्व सूचना के फीस बढ़ाई, पूछने पर वाजिब वजह नहीं बताई। मनमाने तरीके से फीस बढाना, कॉपी, किताबें, ड्रेस के नाम पर लूट रहे हैं। एलकेजी की किताबें खरीदने गए एक परिवार को तीन पैक दिए गए। एक किताब का, दूसरा कापियों का, तीसरे में में गोंद, मार्कर, पेन, फेविगम ड्राइंग शीट और क्रेयोंज वगैरा रहे। जब उनसे कहा कि कुछ सामान नहीं लेना चाहते, मुंह बनाते हुए जवाब दिया, लिस्ट वेब साईट पर है देख लें, जो लेना है बता दें। बाकी सामान मनचाहे दामों पर देते हुए एहसान किया। स्कूल प्रबंधन को इनकी दुकान से सामान बिकवाने के लिए और इन्हें मनचाही दरों पर बेचने में यश प्राप्त है। सब कुछ पारदर्शिता, अनुशासित ईमानदारी से सुनियोजित है। स्कूल वालों को फीस घटानी नहीं आती। सभी ने बच्चे पढ़ाने हैं। ऊंचे स्कूल में तो प्रवेश वैसे भी किस्मत या पैसे से मिलता है। स्कूल वालों से पूछने की हिम्मत करेंगे तो वे कुटिल मुस्कराहट के साथ सधा हुआ जवाब देंगे जिसका अर्थ होगा, हमने तो आपको निमंत्रण पत्र नहीं भेजा था कि हमारे प्रसिद्ध, बढ़िया, शानदार स्कूल में बच्चों को पढ़ने जरूर भेजना। आप इन्हें किसी और स्कूल में भी तो भेज सकते थे। सरकारी स्कूलों में काफी चीजें मुफ्त हैं वह बात अलग है कि वहां के अध्यापक भी अपने बच्चों को वहां नहीं पढ़ाते । आंदोलन, प्रदर्शन और जोश कुछ दिन चलता है फिर एक दिन चाय, पानी और समोसों में फंस जाता है। कौन अभिभावक नहीं चाहता कि उनके बच्चों के नए सत्र की शुरूआत सकारात्मक हो। आश्वासन, इरादे, वायदे झुलस कर रह जाते हैं। खुद की हुई शिकायत बेकार लगने लगती है। स्कूल प्रबंधन की नकली मुस्कराहट पसंद आने लगती है।

कुल्हाड़ी

प्रभुनाथ शुक्ल

देखिए ! हमने इस पेड़ को खरीद लिया है। इसे काटने का अधिकार मेरा बनता है। क्योंकि, यह आम का पेड़ मोंगाराम का है उन्होंने इस पेड़ को मुझे बेंच दिया है। आप लोग पेड़ काटने से नहीं रोक सकते। गांव के चार बुजुर्गो को समझाते हुए लकड़ी व्यापारी जोधाराम ने कहा था। उसका काम ही हरे और सूखे पेड़ों को काटना था।

लेकिन जोधाराम जी यह तो गैर कानूनी है। हरे पेड़ो को आप नहीं काट सकते हैं। वह भी आम का पेड़, इस वक्त तो इसमें फल हैं। यह कानून जुर्म है। बुजुर्ग जेठालाल ने चिंता जाताते हुए कहा था। जेठालाल जी, आपकी बात सच है, लेकिन इस जमाने में कौन कानून मानता है। सब पैसे पर काम हो जाता है। फारेस्ट आफिसर तो अपना करीबी है। रोज की उठक बैठक है। फिर पर्यावरण संरक्षण का कानून बनाने वाली सरकारें भी तो विकास की आड़ में पेड़ों का कतल करती हैं। जोधाराम ने जेठालाल को समझाते हुए कहा था। व्यपारी

की बात सुनकर जेठालाल ने कहा यह तो मोंगाराम ने पैसे की लालालच में आकर गलत किया। जमीन का पैसा तो हम चारों भाईयों से ले लिया था। कम से कम इस पेड़ को ही छोड़ जाते। इसके साथ पीढ़ियों तक उनकी यादें बनी रहती। देखिए जोधाराम जी, हम लोग इस पेड़ को कटने नहीं देंगे। क्योंकि इस पेड़ से हमारी यादें जुड़ी हैं। इस आम के पेड़ ने हम सब को फल, ताजी हवा, छांव दिया है। बचपन में हम लोगों ने इसी पर उछल कूद कर आनंद लिया है।

इसके मीठे फल का कर्ज हम कभी नहीं उतार सकते। जेठ के दुपहरी में हमें इसी नींड़ के नीचे आराम मिला है। कितने मवेशी इसकी छांव में अपना वक्त काट दिया। राहगीरों ने भी इसके नीचे शीतलता पायी। हमारी पीढ़ियां इसी के सानिध्य में पली। यह हमारे पर्यावरण को स्वच्छ रखता है। जीवनदायी वायु देता है। यह हमारे सुख-दुःख का साथी रहा। फिर इस पर कुल्हाड़ी कैसे चलने देंगे।

जोधराम जी अंतिम बात यह है कि इस पेड़ को बचाने के लिए हम किसी भी हद तक जा सकते हैं, लेकिन आपकी कुल्हाड़ी इस पर नहीं चालने देंगे। जेठालाल की चेतावनी के बाद जोधाराम उलझ गया था, क्योंकि पेड़ की खरीद के लिए उसने मोंगाराम को दस हजार रुपए दिए थे। जोधाराम किसी पचढ़े में पड़ना नहीं चाहता था। लिहाजा उसने जेठालाल के चारों भाइयों के सामने एक प्रस्ताव रखा कि मैं ने इस पेड़ को मोंगाराम से दस हजार रुपए में खरीदा है। अगर मेरे पैसे मिल जाएं तो पेड़ पर कुल्हाड़ी नहीं चलाएगा।

जेठालाल और उसके भाई व्यापारी के इस प्रस्ताव पर तैयार हो गए। चारों भाईयों ने अपने हिस्से के 2500-2500 रुपए व्यापारी जोधाराम को देकर आम के पेड़ को कटने से बचा लिया। जोधाराम को पैसा पाने के बाद सकून मिला और वह किसी तरह चुपचाप भाग निकला। इधर जेठालाल और उसके भाईयों ने जैसे ही आम की तरफ निहारा शांत पड़ी उसकी डालिया झूमने लगी। जैसे प्राण बचने की खुशी में जेठालाल और उसके भाईयों का सिर झुकाकर वे अभिवादन दे रहीं थीं।

शराब के ठेके के खिलाफ 15 दिन से चल रहा धरना समाप्त, महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान ने मौके पर पहुंचकर दिलाया न्याय

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना डौकी क्षेत्र के कोलेरा कला गांव में महिलाओं द्वारा शराब के ठेके को हटाने की मांग को लेकर पिछले 15 दिनों से चल रहा धरना शनिवार को समाप्त हो गया। यह संभव हो सका उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान की सक्रियता और संज्ञान लेने के चलते। गांव की महिलाओं और एक सात वर्षीय बच्ची तक द्वारा इस धरने में शामिल होने की जानकारी मिलते ही डॉ. चौहान मौके पर पहुंचीं और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। महिलाओं ने बताया कि गांव में स्थित शराब के ठेके से शराब पीने के बाद पुरुष अक्सर महिलाओं से अभद्रता, फब्तियां कसने और मारपीट जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं, जिससे उनका जीना दूभर हो गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महिला आयोग की अध्यक्ष ने तत्काल एसडीएम फतेहाबाद अभय सिंह, एसीपी फतेहाबाद और आबकारी विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शराब के ठेके को गांव से अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए, ताकि गांव की महिलाओं को राहत मिल सके। धरना स्थल पर मौजूद 12 वर्षीय एक नाबालिग बच्ची, जो धरने में शामिल थी, को डॉ. चौहान ने स्वयं पानी पिलाकर उसका हालचाल जाना और उसके लिए मेडिकल जांच के निर्देश भी दिए। डॉ. बबीता चौहान के आश्वासन और अधिकारियों की कार्रवाई के बाद महिलाओं ने धरना समाप्त कर दिया। इस घटनाक्रम ने प्रशासन और समाज के संवेदनशील पहलुओं को एक बार फिर उजागर कर दिया है कि जब आमजन खासकर महिलाएं आवाज उठाती हैं और जिम्मेदार अधिकारी सक्रियता से कदम उठाते हैं, तो समाधान संभव है।

स्वामी नलिनानंद गिरि जी महाराज का नवम भारत यात्रा पर मोर्निंग सिटी समाचार पत्र की टीम की शिष्टाचार भेंट

तेज रफ्तार डंपर ने मचाई तबाही, मेडिकल स्टोर और कोल्ड स्टोर की दीवार में मारी टक्कर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शहर के शमशाबाद रोड स्थित दिगनेर इलाके में शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे एक तेज रफ्तार डंपर ने नियंत्रण खोते हुए सड़क किनारे बने मेडिकल स्टोर और कोल्ड स्टोर की दीवार को जोरदार टक्कर मार दी। डंपर ने पहले एक पेड़ को रौंदा, फिर बेकाबू होकर दुकान की दीवार में जा घुसा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि जिस समय यह दुर्घटना हुई, उस वक्त मेडिकल स्टोर में कोई मौजूद नहीं था। दुकान के बाहर भी राहगीरों की आवाजाही कम थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के दौरान दुकान के अंदर और आसपास मौजूद लोगों ने भागकर जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर काफी तेज गति से आ रहा था और ड्राइवर के नियंत्रण से बाहर हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मेडिकल स्टोर और कोल्ड स्टोर की दीवारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों ने हादसे के बाद गहरी नाराजगी जताई।

अनुपस्थित अधिशाषी अधिकारी नलकूप का वेतन रोका

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील कुरावली से अनुपस्थित जिला उद्यान अधिकारी, अधिशासी अभियंता नलकूप, परियोजना अधिकारी डूडा, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी का आज का वेतन रोकते हुये जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि सम्बन्धित अधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस में निर्धारित समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें, बिना पूर्व अनुमति के यदि कोई अधिकारी अनुपस्थित पाया गया तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही होगी। उन्होने कहा कि अधिकारी जन शिकायतों के निस्तारण के प्रति सजग रहें, शिकायतों के निदान में किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाये, किसी भी स्तर से प्राप्त शिकायत का समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण किया जाये, ताकि आमजन का विश्वास सम्पूर्ण समाधान, थाना समाधान दिवस पर बना रहे। उन्होने कहा कि भूमि सम्बन्धी विवादों में त्वरित गति से कार्यवाही की जाये, भूमि विवाद यथा संभव मौके पर जाकर निबटाएं जाऐं, किसी भी क्षेत्र में सार्वजनिक भूमि पर अनाधिकृत कब्जे न रहे, जबरन अनाधिकृत कब्जा करने वालों के विरूद्ध दंडात्मक कार्यवाही हो, एक बार सीमांकन, पैमाइश के बाद यदि किसी के द्वारा पुनः कब्जा किया जाये तो उसे भू-माफिया में चिन्हित कर उसके विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज कराकर वैद्यानिक कार्यवाही की जाये। शनिवार को जन-सुनवाई के दौरान कुरावली क्षेत्र के 24 शिकायतकताओं ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत किये, जिसमें से 03 शिकायतों का मौके पर ही निदान कर फरियादियों को राहत प्रदान की, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने आपरेशन जागृति 4.0 कार्यक्रम के अन्तर्गत लल्लू सिंह इण्टर कालेज कुरावली में छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि मिशन शक्ति के तहत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान पर बल दिया गया है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.सी. गुप्ता, उप जिलाधिकारी कुरावली नितिन कुमार, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार, परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. सत्येन्द्र कुमार, अनिल कुमार सक्सेना सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

ससुराल में फंदे से लटकी मिली महिला कांस्टेबल की लाश, दो महीने पहले हुई थी शादी, परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मथुरा। आगरा मंडल के मथुरा जिले में तैनात एक महिला कांस्टेबल की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। 2018 बैच की कांस्टेबल वंदना का शव ससुराल स्थित घर के ऊपर वाले कमरे में फंदे से लटका मिला। उसकी शादी महज दो महीने पहले 23 फरवरी को हुई थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए पति समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, मृतका वंदना मूल रूप से अलीगढ़ जिले के थाना गोंडा क्षेत्र के गांव ढांटौली निवासी थी। वह 2018 बैच की सिपाही थी और वर्तमान में उसकी तैनाती एसएसपी कार्यालय बिजनौर में थी। 23 फरवरी को उसकी शादी मथुरा के नौहझील क्षेत्र की ग्राम पंचायत रायपुर के अंतर्गत अनरदागढ़ी गांव निवासी अरविंद से हुई थी, जो खुद एसएसएफ में कांस्टेबल है और इस समय नोएडा मेट्रो स्टेशन पर तैनात है। घटना शुक्रवार दोपहर की है जब वंदना का शव ससुराल के घर में फंदे से लटका मिला। ससुरालियों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और वंदना के मायके वालों को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी गुंजन सिंह, थाना प्रभारी रवि त्यागी व एसआई विनीत कुमार मौके पर पहुंचे। साथ ही फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया जिसने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। वंदना के भाई सुबोध कुमार ने थाने में दी गई तहरीर में कहा कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष की ओर से 10 लाख रुपये की अतिरिक्त दहेज की मांग की जा रही थी। उनकी बहन पर लगातार मानसिक दबाव बनाया जा रहा था और प्रताड़ित किया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि वंदना की हत्या कर शव को फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति अरविंद, सास अनीता देवी, ससुर गजेंद्र सिंह, ननद शिवानी, देवर अनुज और ममिया ससुर योगेंद्र के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। ससुराल पक्ष से पूछताछ की जा रही है और वंदना के कॉल रिकॉर्ड व मोबाइल डाटा को भी खंगाला जा रहा है ताकि मौत के असल कारणों की पुष्टि की जा सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में और अधिक स्पष्टता आने की संभावना है। इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है और महिला सशक्तिकरण के बीच दहेज रूपी दानव की एक और दुखद कहानी सामने आ गई है।

कस्बा किशनी में प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी ने की पैदल गश्त, लोगों में जगा विश्वास

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी (मैनपुरी)। कस्बा किशनी में शनिवार को प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी ने पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। गश्त के दौरान उन्होंने मुख्य बाजार, भीड़भाड़ वाले क्षेत्र और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक ने दुकानदारों और आम नागरिकों से संवाद करते हुए उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए सतत रूप से सक्रिय है और किसी भी असामाजिक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। गश्त के दौरान राहगीरों, व्यापारियों और स्थानीय लोगों में पुलिस की उपस्थिति से सुरक्षा की भावना और विश्वास मजबूत हुआ। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस मौके पर थाना स्टाफ के साथ अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे।

वाहनों की बैटरी चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, 11 चोरी की बैटरियां और ऑटो बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना सदर बाजार पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस टीम ने ईंट मंडी, स्कूल बसों और सड़कों किनारे खड़े वाहनों से बैटरियां चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 11 चोरी की गई बैटरियां और वारदात में इस्तेमाल किया गया ऑटो बरामद हुआ है। पुलिस अब आरोपी के नेटवर्क और बैटरी खरीदने वाले खरीदारों की भी जांच कर रही है। घटना की शुरूआत 30 मार्च को हुई, जब सेवला जाट क्षेत्र की ईंट मंडी में खड़े ट्रैक्टरों से एक ही रात में पांच बैटरियां चोरी हो गईं। पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। 19 अप्रैल को पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नैनाना ब्राह्मण मार्ग के किनारे स्थित एक खाली मैदान से एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी के दौरान युवक के पास से 11 चोरी की गई बैटरियां और एक ऑटो बरामद हुआ। पूछताछ में युवक ने अपना नाम हरीश पुत्र बाबूलाल कुशवाह, निवासी तोतानगर, सेवला जाट, थाना सदर बाजार बताया। वर्तमान में वह सुल्तानपुरा सब्जी मंडी के पास, आगरा कैंट में रह रहा था। हरीश ने पुलिस को बताया कि उसने 30 मार्च की रात को ईंट मंडी से पांच बैटरियां चुराईं। इसके अलावा, उसने पहले भी राधाकृष्ण हॉस्पिटल के पास खड़े कैंटर, स्कूल बसों और धनौली क्षेत्र में खड़े ट्रैक्टरों से बैटरियां चोरी की थीं। कुछ बैटरियां वह बेच चुका है और चोरी की गई बैटरियों को ले जाने के लिए वही ऑटो इस्तेमाल करता था, जो पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी का कोई गिरोह है या वह अकेले ही वारदातों को अंजाम देता रहा है। थाना सदर बाजार पुलिस की इस सफलता को जनता के बीच सराहा जा रहा है। यह गिरफ्तारी न केवल एक बड़ी चोरी के मामले को सुलझाने में मददगार साबित हुई है, बल्कि क्षेत्र में आए दिन हो रही बैटरी चोरी की घटनाओं पर भी लगाम लगाने की दिशा में एक अहम कदम है।

तमंचा लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाला युवक गिरफ्तार, कमलानगर पुलिस की तत्परता से टली अनहोनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शहर के कमलानगर थाना क्षेत्र के पार्वती घाट पर शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक ने खुलेआम अवैध तमंचा लहराना शुरू कर दिया। सार्वजनिक स्थान पर हथियार लहराकर लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर रहे युवक को तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना कमलानगर पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए युवक के पास से एक अवैध 315 बोर का तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, घटना 19 अप्रैल की दोपहर की है। पार्वती घाट पर मौजूद आम लोगों ने जब एक युवक को हाथ में तमंचा लेकर बार-बार लहराते हुए देखा, तो तुरंत पीआरवी पर सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना कमलानगर पुलिस हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर पीआरवी की सहायता से युवक को काबू में ले लिया। पकड़े गए युवक की पहचान कल्लू पुत्र लाखन, निवासी बटेश्वर थाना बाह, आगरा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लगातार घाट पर हथियार लहराकर लोगों में डर पैदा कर रहा था। उसकी हरकतों से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। पूछताछ में आरोपी कोई वैध लाइसेंस नहीं दिखा पाया, जिस पर उसके खिलाफ थाना कमलानगर में मु.अ.सं. 60/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बरामद तमंचे को सीज कर दिया गया है और अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष निशामक त्यागी और उ0नि0 प्रदीप कुमार, चौकी बल्केश्वर की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से किसी भी संभावित गंभीर वारदात को होने से पहले ही रोक लिया गया। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की मुस्तैदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई जरूरी है ताकि शहर में कानून का भय और आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।

छोटी खबरें

संदिग्ध परिस्थितियो मे युवक की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता भोगांव/मैनपुरी। भोगांव मैनपुरी मार्ग पर स्थित रेलवे क्रॉसिंग के निकट होटल पर नौकरी कर रहे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। जनपद कन्नौज के थाना छिबरामऊ क्षेत्र के ग्राम बरमोली निवासी 24 वर्षीय मिथिलेश पुत्र पातीराम अपने माता.पिता की इकलौता पुत्र था, मां की लगभग 11 वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी पिता की 6 वर्ष पूर्व कैंसर से मृत्यु हो गई थी जिसमें पिता के इलाज कराने में उसकी जमीन इलाज में बिक गई थी अपनी जीविका चलाने के लिए चलाने के लिए वह भोगांव मैनपुरी मार्ग पर रेलबे क्रॉसिंग निकट स्थित एक होटल पर नौकरी करने लगा था। वह बीमार भी रहता था। तथा शराब पीने का भी आदी हो गया था, शुक्रवार को उसका शव कमरे मे पडा मिला। घटना की जानकारी होटल मालिक सौरव यादव पुत्र सुधीर कुमार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हनुमान जी मंदिर के सौन्दर्यीकरण का पर्यटन मंत्री ने किया लोकार्पण

मोर्निंग सिटी संवाददाता मैनपुरी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मोहल्ला दरीबा स्थित हनुमान जी महाराज मंदिर के पर्यटन विकास, सौन्दर्यीकरण के कार्य का लोकार्पण एवं 137.98 लाख रुपए की लागत से नौंरगपुर स्थित सत्य कैलाश आश्रम के पर्यटन विकास एव सौन्दर्यीकरण कार्य का शिलान्यास करते हुए कहा कि जनपद, प्रदेश में सनातन संस्कृति के विकास, भगवान राम के आदर्शों के लिए लगातार कार्य किये जा रहे हैं। उन्होने कहा कि ऐसे ही सदैव हनुमान जी की कृपा हम सब पर बरसती रहे तकि जनपद लगातार उन्नति, संतृप्ति की ऊंचाईयों को छू सकें।

उन्होने कहा कि जनपद के प्राचीन, पुरातात्विक महत्वों के धार्मिक स्थलों को पुराना स्वरूप दिलाने के लिए तेजी से कार्य हुये है, कई मंदिरों में जीर्णोद्धार, सौन्दर्यीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि विगत 01 वर्ष में जनपद में तमाम विकास कार्य हुए, अगले 03 वर्षों में जनपद का चहुमुखी विकास होगा। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का गौरव विश्व में बढ़ा है, आज पूरी दुनिया हमारे देश की तरफ देख रही है, आज विश्व में सबसे बड़ी 05वीं अर्थव्यवस्था बन चुकी है और जल्द ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के करीब है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि जनपद के सवार्गीण विकास के लिए प्रदेश सरकार ने तमाम परियोजनाओं के लिए धनराशि अवमुक्त की है, नगर को जाम की समस्या से निजात दिलाने एवं नगर के नक्शे को भव्य रूप प्रदान करने के लिए 22 किमी. लम्बा बाईपास निर्माण कार्य को स्वीकृति मिल चुकी है, जरामई से लेकर भोगांव तक नया बाईपास बन कर तैयार होगा। जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने कहा कि पर्यटन मंत्री के प्रयासों से ही जनपद के प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प हो रहा है, इसी क्रम में आज नगर के प्राचीन हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार, सौन्दर्यीकरण के कार्य का लोकार्पण उन्हीं के प्रयासों से संभव हुआ है। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के चेयरमैन महेश अग्निहोत्री, वीर सिंह भदौरिया, अनुजेश यादव, बीनू बसंल, सुनील अग्रवाल, आराधना गुप्ता, मनोरमा सिंह, विकास चौहान, धीरू राठौर, करन पाल सिंह चौहान, अमित गुप्ता, प्रदीप राज चौहान, अगम चौहान, राजेश गोयल, ग्रीश चन्द्र गुप्ता, अरूण गुप्ता, कल्लू, दिनेश चन्द्र, दीपक चौहान, महंत गीतमदास, सौरभ सक्सैना, राहुल सक्सैना, अशोक कुमार, उदयवीर यादव आदि उपस्थित रहे।

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज करहल में ऑपरेशन जागृति फेज-4 के तहत एएसपी राहुल मिठास ने छात्राओं को किया जागरूक

मोर्निंग सिटी संवाददाता करहल (मैनपुरी)। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज करहल में शनिवार को ऑपरेशन जागृति फेज-4 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राहुल मिठास ने छात्राओं और महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा साइबर क्राइम से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एएसपी राहुल मिठास ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन उन्हें आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ सतर्क भी रहना आवश्यक है। उन्होंने महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला सहायता नंबर 181 जैसे संसाधनों की जानकारी दी और इनका सही तरीके से उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने सुरक्षा से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे, जिनका एएसपी ने सहज और सरल भाषा में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग हमेशा महिलाओं की सुरक्षा के लिए तत्पर है और किसी भी प्रकार की समस्या में तुरंत मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉक्टर सुजाता वीरेश, समस्त स्टाफ, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष गहरवार ने किया। कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी अल्का मिश्रा, थाना प्रभारी महाराज सिंह भाटी, नगर पंचायत चेयरमैन अब्दुल नईम, समाजसेवी नितिन चतुर्वेदी, चौकी प्रभारी सतीश यादव, एसआई पूनम चौधरी एवं पत्रकार बंधु भी उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और ऑपरेशन जागृति के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से जागरूक बनने की अपील की।

कमला नगर अग्निकांड में पुलिस की सूझबूझ और साहस से टली बड़ी त्रासदी, तीन की बची जान

मोर्निंग सिटी संवाददाता आगरा। शहर के कमला नगर क्षेत्र में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक रिहायशी इलाके में स्थित मकान में अचानक जोरदार धमाके के साथ आग लग गई। यह विस्फोट घर में रखी गई बर्थडे और शादी-पार्टियों में इस्तेमाल होने वाली आतिशबाजी के कारण हुआ। धमाके के साथ लगी आग ने पूरे घर को चपेट में ले लिया। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए, वहीं मोहल्ले में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना कमला नगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। आग की भयावहता और मौके पर फैले अफरा-तफरी के बीच पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। तीनों झुलसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद थाना प्रभारी ने मानवता का परिचय देते हुए किसी भी देरी से बचने के लिए अपनी सरकारी गाड़ी से घायलों को तुरंत एस.एन. मेडिकल कॉलेज भिजवाया। समय पर पहुंचाए गए उपचार के चलते तीनों की जान बच सकी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी और देखते ही देखते आग की लपटें छत तक पहुंच गईं। आसपास के लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। मकान में आतिशबाजी का निर्माण अवैध रूप से किया जा रहा था, जिसकी भनक तक क्षेत्रीय प्रशासन को नहीं थी। अब पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है कि बिना किसी लाइसेंस के यह खतरनाक सामान रिहायशी इलाके में कैसे स्टोर और तैयार किया जा रहा था। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई, जिसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। लेकिन इससे पहले ही काफी नुकसान हो चुका था। वहीं, पुलिस की त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता ने एक बड़े हादसे को टलने से रोक लिया।

आलीपुर खेड़ा अब बन चुकीं हैं घोटाले वाली ग्राम पंचायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कहने को विकास खंड सुल्तानगंज की ग्राम पंचायत आलीपुर खेड़ा मैनपुरी जनपद की नंबर बन पंचायत है। जिसके लिए ग्राम प्रधान को कई पुरस्कार भी मिल चुके है। बस नंबर बन पंचायत का फायदा उठाते हुए ग्राम प्रधान ने पंचायत के कई कार्यो में घोटाले किए है। लगभग सभी घोटालो की शिकायत के बाद डीएम ने जांच के आदेश दिए, लेकिन अभी तक एक भी जांच पूरी नहीं हो सकी है। या फिर यह कहें कि ग्राम प्रधान पर जांच करने वाले अफसरो की जमकर कृपा बरस रहीं है। कहीं न कहीं ग्राम प्रधान के द्वारा किए जा रहे घोटाले के लिए अफसर ही पूरी तरह से जिम्मेदार है। ग्राम पंचायत आलीपुर खेड़ा में फर्जी फर्म बाला जी कॉन्ट्रेक्टर एन्ड सप्लायर के नाम से कीरतपुर ब्लॉक 39/619 (गोलाबाजार) मैनपुरी पर फर्म को दिखाया गया, इस फर्म पर 50 लाख से ऊपर का लेनदेन हो चुका है। जबकि यह फर्म कंही है ही नहीं केवल कागजों में है। बर्ष 2020 में मनरेगा द्वारा नाला रामनाथ दिवाकर की दुकानों से खालिद के खेत तक निर्माण हुआ था। जबकि वर्तमान प्रधान सन्त प्रकाश स्वर्णकार ने 2021 में पुनः 3 लाख से ऊपर धनराशि निकाल ली। नवल सक्सेना के घर से अब्दुला की दुकानों तक इन्टरलॉकिंक कार्य दशार्या गया, लेकिन कार्य आज तक नहीं सड़क बैसी ही पड़ी है और लाखो रुपये की धनराशि निकाल ली। कस्बा में 5 लाख 58 हजार की 150 स्ट्रीट लाइटें लोकल कम्पनी की लगाई गई थी। जो बिजली की केबलें खींचने पर प्रधान ने उतरबा ली थीं। और पंचायत घर पर रखबा ली थीं जो अब चोरी दर्शाई जा रहीं है। जिसकी कोई शिकायत नहीं। आलीपुर खेड़ा की इंडेन गैस एजेंसी के कैशियर के खाते में ग्राम पंचायत की साफ सफाई के नाम से लाखों रुपये डाले गये। बता दें कि यह एजेन्सी किसी और की नहीं बल्कि ग्राम प्रधान की खुद ही है। इस एजेन्सी की मालिक ग्राम प्रधान की पत्नी है। वहीं ग्राम प्रधान ने ग्राम पंचायत की जमीन गाटा संख्या 998 रकबा 2 बीघा पर अपने कार्यकाल में कब्जा कर अपने मां बाप की यादगार बना लीं जबकि यह जमीन गड़रिया समाज के द्वारा मरघट के रूप में दर्ज की जा रही थी।

दुकानदारों से भी प्रधान ने ठग लिए हजारो रुपए

मिलिकिया चौराहे पर सड़क बनबाने के नाम पर ग्राम प्रधान ने दुकानदारों से 30 हजार ठग लिए। मरघट की जमीन एक समाज के नाम से करने के नाम पर चक समाज से चन्दा कराकर रुपये लिए। ऐसे दर्जनों घोटाले ग्राम पंचायत आलीपुर खेड़ा में हुए है जिनकी जाँच नहीं हो रही है क्योंकि इसमें पंचायत सचिव से लेकर जनपद के उच्चाधिकारी घोटालेबाज ग्राम प्रधान को बचाने में लगे है। क्योंकि इन्ही अधिकारियों की कृपा से प्रधान को पुरस्कार मिल रहे है। अगर यह बचाब नहीं करेंगे तो पोल खुल जायेगी।

बिना काम कराए ग्राम प्रधान ने डकारे लाखों रुपए

आलीपुर खेड़ा ग्राम पंचायत सदस्य शशि वर्मा ने बताया कि ग्राम प्रधान ने पंचायत में बिना काम कराए ही काम कराए जाने के काम पर लाखों रुपए खाते से निकालकर डकार लिए है। पंचायत में एक सीसी का निर्माण पंचायत द्वारा कागजो में ही कराया गया था, जबकि धरातल पर काम हुआ ही नहीं था, इसकी जब शिकायत की गई तो जांच टीम मौके पर आई तो प्रधान ने कहा कि सीसी तो डलवाई गई लेकिन वह बारिश में धुल गई, इसकी जांच अभी तक अधर में लटकी हुई है।

क्या बोले जिला पंचायतराज अधिकारी

आलीपुर खेड़ा में ग्राम प्रधान के द्वारा बिना काम कराए खाते से रुपए निकालने व अपने रिश्तेदार के नाम पर फर्जी फर्म खोलकर लाखों रुपए निकाल लेने की शिकायतों का मामला संज्ञान में है। शिकायतों पर बीडीओ सुल्तानगंज को जांच अधिकारी बनाकर सभी शिकायतों की जांच कराई जा रहीं है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।- डॉ. अवधेश सिंह, डीपीआरओ मैनपुरी।

पूर्व प्रधान को श्रंद्धाजलि देने पहुंचे करहल विधायक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत दुम्हार खिरिया से पूर्व प्रधान मुन्नी देवी पत्नी बृजभूषण यादव प्रधान एवं जिला पंचायत सदस्य डाक्टर गजराज यादव की भाभी के निधन पर शनिवार को रामसिंह महाविद्यालय पर आयोजित शांति पाठ में लोगों ने पहुंचकर श्रंद्धाजलि देकर परिवार को ढांढस बंधाया, इस अवसर पर विधायक तेजप्रताप यादव, विधायक ब्रजेश कठेरिया, पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विशाल बाल्मिकी, राहुल राठौर, रामपाल यादव, पवन चौहान, चेयरमैन प्रतिनिधि डैनी यादव, विनोद गुप्ता, दिनेश यादव, शैलेंद्र यादव, धर्मेंद्र यादव बाबा, नरेंद्र यादव, मुकुल यादव, विपिनराज यादव, श्यामकरन शाक्य, मातादीन यादव, डाक्टर रेखा यादव, शिवराम यादव, आलोक यादव, गगन यादव, उमाशंकर यादव, सुमन यादव, सभासद मुकेश यादव, राहुल गुप्ता, दिनेश कुमार, हरेंद्र यादव, आशीष यादव, शिवम यादव, रामबाबू सविता, मंगल रावत, छविले यादव, श्रीचंद्र दिवाकर आदि मौजूद थे।

महिलाओं को आपरेशन जागृति से मिल रही नई दिशाः सत्यप्रकाश शर्मा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। नगर के जीटी रोड पर डायट परिसर मे स्थित कस्तूरवा गांधी आवासीय विधालय में नारी सशक्तिकरण के लिए ऑपरेशन जागृति के अंतर्गत महिलाओं व बच्चियों को सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा ने जागरूक किया। विद्यालय परिसर मे आयोजित गोष्ठी मे सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं और बालिकाओं के लिए लगातार काम कर रही है। उनको किसी भी तरीके की परेशानी न हो जिसको लेकर पुलिस लगातार उनकी मदद के लिए पहुंचती हुई दिखाई दे रही है। लगातार पुलिस के लोगों को जागरूक करने का काम भी किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार के तरफ से तमाम हेल्पलाइन नंबर चलाए जा रहे हैं। डायल 112 वूमेन डायल 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 जैसे नंबरों के बारे में जानकारी दी और बताया अगर आप किसी भी मुसीबत में हो तो आप इन नंबरों को जरूर ध्यान में रखें और आप तुरंत इन नंबरों पर कॉल कर मदद के लिए पुलिस को बुला सकते हैं। आप जब इन नंबरों पर फोन करेंगे तो आपकी मदद के लिए पुलिस मौके पर पहुंचेगी और आपकी हर संभव मदद करने का काम करेगी। आपकी मदद के लिए हम लोग सदैव तत्पर हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चो ने भी पुलिस से उत्सुक्तावश कई सवाल पूछे जिसके जवाब देते हुए स्थानीय पुलिस ने उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि अब आपको अपराध सहने की बिलकुल जरूरत नहीं है। अपराध के खिलाफ खुलकर आवाज उठाएं पुलिस कार्रवाई करेगी। इस मौके पर कस्वा इंचार्ज नीलकमल, बार्डन सुधा यादव, कंचन मिश्रा, अंजू यादव, नवीन यादव, काजल शाक्य, नीलम भदौरिया आदि मौजूद रहे।

छोटी खबरें

शादी के बाद प्रेमी से संबंध बनाने पर गर्भवती हुई महिला

मोर्निंग सिटी संवाददाता मैनपुरी। कोतवाली सदर क्षेत्र के एक गांव में अनुसूचित जाति की विवाहित महिला प्रेमी से संबंधों के चलते गर्भवती हो गई। जानकारी होने पर पति ने साथ रखने से मना कर दिया। इधर, महिला ने प्रेमी पर शादी का दबाव बनाया तो वह भी मुकर गया। महिला ने प्रेमी के खिलाफ तहरीर देकर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। पीड़ित महिला ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2024 में फिरोजाबाद जिले के टूंडला क्षेत्र में हुई थी। शादी से पहले गांव इटौरा निवासी अर्जुन लोधी से प्रेम संबंध थे। शादी के बाद भी प्रेमी दबाव बनाकर बातचीत करता रहा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि प्रेमी ने शादी का झांसा देकर कई बार संबंध बनाए। इससे वह गर्भवती हो गई। प्रेमी से शादी की बात कही तो उसने इन्कार कर दिया। दबाव बनाने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर और गाली गलौज की। जानकारी पति को हुई तो उसने साथ रखने से मना कर दिया। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। इंस्पेक्टर शहर कोतवाली के अनुसार आरोपी अर्जुन लोधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता का मेडिकल कराकर बयान दर्ज कराने की कार्रवाई भी की जा रही है।

विवेचनाओं का निस्तारण समय से न होने पर एएसपी नाराज

मोर्निंग सिटी संवाददाता किशनी/मैनपुरी। शुक्रवार सांय एएसपी अरुण कुमार सिंह ने थाने पर पुलिसकर्मियों के साथ बैठक की। उन्होंने लंबित विवेचनाओं का समय से निस्तारण न होने पर नाराजगी दिखाई। एएसपी ने कहाकि थाने में लंबित विवेचनाएं व आईजीआरएस को समय से निस्तारित करें नहीं तो सम्बंधित विवेचक पर कार्रवाई की जाएगी। थाने में माल का निस्तारण भी समय से कराना सुनिश्चित करें। थाने पर आने वाले हर पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई कर उसे संतुष्ट करें। यातायात की समस्या न आये इसलिये रूटीन वाहन चेकिंग करें। गलत पार्किंग करने वालों के चालान काटें। एएसपी ने नगर में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया। इस दौरान सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा, प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी सहित सभी उपनिरीक्षक मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस एसडीएम ने सुनी शिकायतें

मोर्निंग सिटी संवाददाता किशनी/मैनपुरी। शनिवार को तहसील पर आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम गोपाल शर्मा ने मौजूद रहकर लोगों की शिकायतों को सुना, इस अवसर पर दो दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी अपनी शिकायते दर्ज कराई, जिसमें से चार शिकायतों का मौके पर निस्तारण हो गया, इस मौके पर एसडीएम ने कहा कि जो भी शिकायते आ रही है उनका जल्द से जल्द निस्तारण करे, लेखपाल हर रोज अपने अपने क्षेत्र का दौरा अवश्य करे और सरकारी जमीनों को चिह्नित कर ये देखे कही किसी का जमीन पर कब्जा तो नहीं हो रहा है, अगर उनकी जांच में कही कोई कब्जा पाया गया तो संबंधित राजस्व निरीक्षक के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी, आंधी पानी से जहा भी किसी का कोई नुकसान या जनहानि हुई है उसकी रिपोर्ट बनाकर जमा कराए जिससे पीड़ित को समय पर मुआवजा दिया जा सके, इस अवसर पर तहसीलदार घासीराम, नायब तहसीलदार पुष्पेंद्र सिंह, बीडीओ नवनीत कुमार गौतम, खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे सहित अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

सीसी मार्ग पर सबमर्सिवल लगे होने की कैबिनेट मंत्री से शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता किशनी/मैनपुरी। नगर के भाजपा नेता ने कैबिनेट मंत्री से सीसी सड़क पर समर्सिबल लगे होने की शिकायत की है। उन्होंने समर्सिबल लगवाने वालों पर कार्रवाई की मांग की। नगर के भाजपा नेता बॉबी भदौरिया ने पर्यटन एंव संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह से लिखित शिकायत की। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत के वार्ड सदर बाजार में लोगों ने सड़क पर समर्सिबल लगवा लिए हैं। इससे सड़क पर निकलने वाली जनता को परेशानी हो रही है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत ने 10-10 हजार रुपये लेकर सड़क पर समर्सिबल लगवाई हैं। उन्होंने इसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। कैबिनेट मंत्री ने भाजपा नेता को जांच कर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

आंगनबाड़ी चयन में अधिकारी ने की धांधली

मोर्निंग सिटी संवाददाता बेवर/मैनपुरी। विकासखंड बेवर के ग्राम अहिमलपुर निवासी पीड़िता ने जिलाधिकारी समेत उच्चाधिकारियों को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी आंगनबाड़ी कार्यकत्री पद पर चयन वेरीफिकेशन होने के उपरांत उसकी नियुक्ति नहीं की गई वहीं कम मेरिट वाली अभ्यर्थी की नियुक्ति अवैध रूप से कर दी गई। गलत ढंग से की गई नियुक्त को निरस्त करते हुए पीड़िता ने अपना चयन तथा नियुक्त पत्र निर्गत कराने की मांग की है। क्षेत्र के गांव अहिमलपुर निवासी शिवानी पुत्री सर्वेश कुमार ने जिलाधिकारी को दिए गए पत्र में बताया कि उसकी नियुक्ति तथा चयन मैरिट के आधार पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पद पर हुई थी। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कम मेरिट वाली महिला से रिश्वत लेकर उसका नाम हटा दिया गया तथा उसके नाम के स्थान पर शिवानी पुत्री रामपाल को चयनित दिखा दिया गया जबकि उसकी मेरिट बहुत कम हैं। पीड़िता ने गलत ढंग से की गई नियुक्ति को निरस्त करते हुए अपनी नियुक्ति कराए जाने की मांग की है।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी पर मुकदमा दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता भोगांव/मैनपुरी। सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने बाले के विरूद्ध थाना पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जाचं शुरू कर दी है। थाना घिरोर क्षेत्र के गांव हिन्दूपुर क्षेत्र के व्यक्ति की पुत्रबधू एंव पुत्री के फेसबुक, इंस्टाग्राम पर थाना भोगांव क्षेत्र के ग्राम रजवाना निवासी रामौतार पुत्र रामशरन अश्लील टिप्पणी करता है जिससे उसकी समाज मे बदनामी हो रही है। युवती के पिता की तहरीर पर पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

बंटवारे को लेकर दंपति को पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता भोगांव/मैनपुरी। आपसी बटवारे को लेकर भाई भाई आपास मे भिड गये जिसमे पति पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गये। थाना क्षेत्र के ग्राम उमरीहार निवासी हेतराम पुत्र सूबेदार का उसका भाई कमलेश पुत्र सूबेदार से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था इसी विवाद को लेकर शनिवार को हेतराम व उसकी पत्नी कपूरी देवी को कमलेश तथा उसकी पत्नी दीपा, पुत्र कल्लू, ज्योति पत्नी रिंकू ने गाली गलौज करते हुये लाठी डन्डो से मारपीट कर घायल कर दिया।

ऑपरेशन गुड मॉर्निंग मुहिम के तहत पुलिस ने किया संवाद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन गुड मॉर्निंग अभियान के तहत पुलिस का लोगों से सीधे संवाद हो रहा है, पुलिस को भोर सुबह अपने बीच पाकर ग्रामीण भी खुश है, पिछले कई दिनों से चल रहे क्रम में शनिवार सुबह के समय टहलने निकले बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं, युवतियों एवं छात्र-छात्राओं से गुड मॉर्निंग कर उनसे संवाद स्थापित किया। शनिवार को पुलिस टीम ने पुलिसकर्मियों के साथ गांव अरसारा और खरगपुर आदि में पहुंचकर हर रोज टहलने निकलने वाले लोगों से संवाद किया, पुलिस की इस मुहिम को देखकर लोग भी प्रसन्न नजर आए, प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ऑपरेशन गुड मॉर्निंग मुहिम के तहत पुलिस टीम सुबह के समय पार्कों, सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों, कोचिंग सेण्टर, ट्यूशन को जाते हुये बच्चों, विद्यार्थियों एवं गांव में जाकर लोगों से विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं आदि से पिछले कई दिनों से संवाद कर हाल-चाल लें रही है, एवम मुहिम को लागू करने का उद्देश्य आम जन मानस में सुबह के समय मॉर्निंग वॉक पर जाने वाले लोगों एवं स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ होने वाले अपराध की रोकथाम करना एवं भय रहित सुरक्षित वातावरण बनाये रखना है, थाने आने में अगर किसी को कोई दिक्कत है तो वह अपनी समस्या गुड मॉर्निंग सुबह पर अवगत करा सकती है।

सड़क पर जानवरो का कब्जा, राहगीर भारी परेशान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। विकास खंड के गांव रठेह मार्ग पर इस समय जानवरो का कब्जा है पूरे मार्ग पर लोगों ने अपने जानवर बांधकर कब्जा कर रखा है और दूसरी तरफ जानवरो का गोबर भी सड़क पर ही डाल रखा है जिस कारण मार्ग पर आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, परेशान ग्रामीणों ने एसडीएम और वीडीओ से मार्ग को खाली कराने की मांग की है।

बताते चले की किशनी नगर से 5 किलो मीटर गांव मकोया बसा हुआ है और यही मार्ग सीधे रठेह तक जाता है, गांव मकोया के पास एक छोटा सा मजरा प्रेम नगर के नाम से जाना जाता है मार्ग के किनारे लोगों के घर बने है इन्ही घरों के लोगों द्वारा मार्ग पर बीचों बीच जानवर बांधे जा रहे है, आज मार्ग पर एक दर्जन से अधिक जानवर बांधे जा रहे है जिस कारण लोग भारी परेशान है ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के बाद हालत और भी खराब हो जाते है, मार्ग के पास ही एक इंटर कालेज भी संचालित होता है कालेज के बच्चे भी इसी मार्ग से होकर गुजरते है साइकिल और बाइक से आने वाले स्कूली बच्चे हर रोज जानवरो से घबराकर निकलते है, ग्रामीणों ने बताया कि कई बार उन्होंने जानवर बांधने बालो को रोका तो जानवर बंधना तो दूर नहीं किया उपर से मार्ग के पास ही गोबर और डालना शुरू कर दिया, और धमकी भी देते है की कही भी शिकायत कर लो वह जानवर सड़क पर ही बांधेंगे, परेशान ग्रामीण महावीर सिंह, सतेंद्र, मोहकम, साधो सिंह, प्रकाश सिंह, देवेंद्र, अतर सिंह, तारा सिंह, रविंद्र, सुरेंद्र सिंह, हरिविलास ने उपजिलाधिकारी से मार्ग से जानवर हटवाने की मांग की है।

पुलिस ने फिर चलाया चेकिंग अभियान, काटे चालान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। थाना प्रभारी ललित भाटी ने पुलिसवल के साथ शनिवार को फिर से चेकिंग अभियान चलाकर लोगों को वाहन चलाने के तरीके और हिदायत देकर एक दर्जन लोगों के चालान भी काटे, थाना प्रभारी ने कहा कि बिना हेलमेट और तीन सवारी बैठाकर चलने बालो के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, शनिवार दोपहर चार बजे थाना प्रभारी ललित भाटी ने हाइवे पर निकल रहे दोपहिया वाहन के खिलाफ अभियान चलाकर एक दर्जन के चालान काटे, कई वाहन स्वामियों को समझाकर और हिदायत देकर छोड़ भी दिया, पर उनका साफ कहना है कि बाइक पर हेलमेट का प्रयोग जरूर करे और टीम सवारी बैठाकर बिल्कुल न चले साथ ही नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने को दे, आए दिन पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाकर ऐसे लापरवाह लोगों को पकड़ा जाएगा, थाना प्रभारी की चेकिंग अभियान से वाहन स्वामियों में हड़कंप की स्थित बनी रही कई वाहन स्वामी इधर उधर के रास्तों से जाते देखे गए।

देवी जागरण में भजनों पर रात्रित भर झूमे श्रद्धालु

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आलीपुर खेड़ा/मैनपुरी। कस्वा के नाका रोड़ स्थिति श्री शोभादास महाराज (मडी बाले बाबा मंदिर) पर शुक्रवार की रात्रि देवी जागरण का आयोजन किया गया। जिसमें सुर संगम म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति किए गए भजनो पर रात्रिभर भक्त थिरकते रहे। म्यूजिकल ग्रुप के अन्य कलाकारो के द्वारा मनमोहक झांकियां भी प्रस्तुति की गई। जिन्हे देखकर पांडाल में मौजूद श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए, भक्तों ने माता रानी के जयकारे भी लगाए और तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ा दिया।

मडी वाले बाबा मंदिर परिसर में आयोजित देवी जागरण का शुभारंभ ग्राम पंचायत छाछा के ग्राम प्रधान पूरन चन्द्र शास्त्री ने मां की जोत जलाकर पूजा- अर्चना के साथ किया। इसके बाद म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने विघ्न विनाशक भगवान श्रीगणेश की स्तुति कर जागरण को गति प्रदान की। कलाकार गौरी वर्मा ने जैसे ही माता का भजन दुनिया वाले जलते हैं, हम तो मइया के भरोसे चलते हैं प्रस्तुत किया, श्रद्धालु भक्ति में सराबोर हो गए। कलाकार शंकर सांई ने चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है, कलाकार दीक्षा ने सुबह शाम का मइया का सुमिरन कर ले भजन प्रस्तुत कर भक्तों की तालियां लूटीं। जैसे ही कलाकारों ने माता के लांगुर गाने शुरू किए तो उत्साहित श्रद्धालु झूम उठे। वहीं म्यूजिकल ग्रुप के अन्य कलाकारों ने विभिन्न आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत कीं। इस मौके पर श्रीकृष्ण चक, अभिलाख सिंह राजपूत, अरविन्द शाक्य, सर्वेश शाक्य, प्रमोद सक्सेना, नीतेश शाक्य, सन्तोष शाक्य, रामपाल यादव, सुबोध शाक्य, अहिवरन सिंह प्रजापति, सूरज सिंह राजपूत, कृष्णा प्रजापति, ऋषभ चक, विशाल, दीपू यादव, सुधीर राजपूत आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ गरीब परिवार की बेटियों को मिले

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जन-शिकायतें सुनने के दौरान पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के सम्मुख जब मोहल्ला आजाद नगर कॉलोनी निवासी अन्नपूर्णा ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि वह बेहद गरीब है और उसकी बेटी शादी योग्य है, उसकी बेटी की शादी हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जाए, जिस पर उन्होंने कहा कि विभिन्न जाति की गरीब परिवार की बेटियों की शादी के लिए तमाम योजनाएं संचालित है, उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी से कहा कि जनपद में इस योजना का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार की बेटियों को मिले, समाज कल्याण, दिव्यांगजन, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में संचालित शादी अनुदान योजना में भी पात्रों को समय से लाभान्वित किया जाए। पर्यटन मंत्री के सम्मुख जब ग्राम जसरतपुर नि. राहुल कुमार ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि निचली गंगा नहर के अधिशासी अभियन्ता राजीव कुमार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में शासन स्तर से आवंटित बजट में किये गये करोड़ो रूपए के गबन, भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने की मांग करते हुये बताया कि सहायक अभियन्ता प्रथम, द्वितीय, तृतीय द्वारा फर्जी अनुबन्ध कर लगभग 2 करोड़ का फर्जी भुगतान कर लिया गया, धरातल पर कोई भी कार्य नहीं कराया गया, ई-टेण्डर के अन्तर्गत राजवाह पचावर पर लगभग 6 करोड़ का भुगतान हुआ। अधिशासी अभियन्ता की मिली भगत से कागजों पर काम हुआ लेकिन धरातल पर काम न के बराबर है। अधिशासी अभियन्ता की कार्य प्रणाली से किसानों की फसलों को वित्तीय हानि हुयी है, अधिशासी अभियन्ता के द्वारा सरकारी वाहन की फजी यात्रायें दिखाकर माह में लाखों रुपए के डीजल का फर्जी भुगतान कर लाखों रुपए का गबन किया है। इस दौरान जिलाध्यक्ष ममता राजपूत, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शिवदत्त भदौरिया, उदय चौहान, विकास चौहान, अर्जुन चौहान के अलावा उप जिलाधिकारी अभिषेक कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर संतोष कुमार, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली फतेह बहादुर सिंह, विद्युत विभाग से लालू जादौन, प्रवेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान थीम पर निकाली प्रभातफेरी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आलीपुर खेड़ा/मैनपुरी। विकासखण्ड सुल्तानगंज के ग्राम मानिकपुर के कम्पोजिट विद्यालय में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। प्रधानाध्यापक जय प्रकाश दुबे ने हरी झंडी दिखाकर विद्यालय से रैली को रवाना किया। गांव मानिकपुर में छात्र, छात्राओं, शिक्षकों ने झंडा बैनर लेकर लोगों को जागरुक किया। बैनरों पर जहां सब समान सबका सम्मान, यहीं है भारत का संविधान। औ बाबा साहब का जीवन समर्पण, संघर्ष और शिक्षा का प्रतीक है, लिखा था। इसके उपरांत बच्चों के बीच वाद विवाद प्रतियोगिता महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता आदि पर विद्यालय में चर्चा हुई। इस मौके पर जयप्रकाश दुबे, हरेंद्र सिंह, राजेश पांडेय, प्रदीप कुमार, आवेश पांडेय, साधना वर्मा, धुंधकारी शाक्य आदि मौजूद रहे।

डीएम एसपी ने शिकायतों को सुन ससमय निस्तारण के दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस लगाया गया, हाथरस तहसील में शिकायत कताओं की शिकायतों को सुनने की जिम्मेदार जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा सीएमओ आदि जिले के अधिकारियों ने संभाली। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर में फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । समाधान दिवस में 100 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये तथा 06 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासन की अपेक्षा के अनुसार जिले में जनसमस्याओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिये संवेदनशील रवैया अपनाकर पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाने के लिये अधिकारियों से स्पष्ट अपेक्षा की। जिलाधिकारी ने प्राप्त सभी प्रार्थनापत्रों को अधिकारियों को संदर्भित कर गुणवत्ता सहित ससमय निस्तारण करके पीड़ित लोगों को राहत पहुँचाने हेतु कडे निर्देश दिए। सादाबाद तहसील में कुल 39 शिकायतों में 02 शिकायत, सासनी तहसील में कुल 30 शिकायतों में से 01 तथा सि0राऊ तहसील में कुल 27 शिकायतों में से 03 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक में शासन की मंशा एवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत कार्यालय आने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों से दो पहिया वाहनो को चलाते समय हेलमेट का तथा चार पहिया वाहनों को चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने का आव्हान किया।

करौली धाम महाराज जी के साथ मोर्निंग सिटी समाचार पत्र की टीम- कानपुर

डा. अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में पालिकाध्यक्ष ने महिला कर्मियों को किया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। नगर पालिका परिषद द्वारा आज शासन द्वारा दिये गये निदेशों के अनुपालन में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के उपलक्ष्य में डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती 14 अप्रैल से 15 दिवसीय 28 अप्रैल तक कार्यक्रम में भागीदारी को सम्पूर्ण प्रदेश में उत्सव के रूप में आयोजित किये जाने के निर्देश के अनुपालन में पूरे प्रदेश में जयंती महोत्सव अभियान चलाया जा रहा है ।कार्य योजना के अनुरूप आज नगर पालिका परिषद के टाउन हॉल में विजय प्रकाश स्वर्णकार प्रभारी कार्यालय अधीक्षक, संजय अग्रवाल लेखाकर, राजेश परिहार खजांची, यशुराज शर्मा प्रभारी नजूल निरीक्षक एवं अमित कुमार कर संग्रहक के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण सम्बन्धित कार्यक्रम का आयोजन किया गया,

जिसमें अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्रीमती श्वेता चौधरी एवं अन्य विभागीय कर्मचारी एवं अधिकारीगण उक्त कार्यक्रम में उपस्थित थे।इस मौके पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती श्वेता चौधरी द्वारा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद में कार्यरत महिलाओं श्रीमती ममता गुप्ता वरिष्ठ लिपिक, श्रीमती पिंकी चौहान राजस्व निरीक्षक, कु. पिंकी गुप्ता परिसेवक, कु.मीनू कनिष्ठ लिपिक, श्रीमती कविता सफाई कर्मचारी, श्रीमती चेतना शर्मा, आउटसोर्सिंग कम्प्यूटर ऑपरेटर, श्रीमती सोनिया सिंह लाइसेस लिपिक, श्रीमती रचना पाठक प्र. मांग लिपिक, श्रीमती नीरेश सफाई कर्मचारी, श्रीमती मिथलेश परिसेवक, श्रीमती रजिया बेगम आदि को उनके द्वारा नगर पालिका परिषद में उनके द्वारा किये गये सराहनीय कार्यों हेतु उनकों सम्मानित किया गया।

छोटी खबरें

क्षेत्र के गांव इटरनी के बॉक्सर अभिनव शर्मा ने जीता स्टेट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल , नेशनल चैंपियनशिप में लेंगे भाग

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। सिकंदराराऊ तहसील क्षेत्र के गांव इटरनी के उभरते हुए बॉक्सर एवं केंद्रीय विद्यालय हिसार कैंट हरियाणा के छात्र अभिनव शर्मा ने मेरठ में आयोजित यूथ स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप 75 से 80 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। अभिनव ने शानदार प्रदर्शन किया । अब उनका चयन नेशनल चैंपियनशिप के लिए हुआ है। नेशनल चैंपियनशिप नोएडा में 21 अप्रैल से 28 अप्रैल तक होगी। गांव इटरनी निवासी रामविलास शर्मा के छोटे पुत्र अभिनव शर्मा हरियाणा के केंद्रीय विद्यालय हिसार कैंट के छात्र हैं। उन्होंने बताया कि अभिनव शर्मा अब तक कई राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी धाक जमा चुके हैं । अभिनव शर्मा की सफलता पर परिवार में खुशी का माहौल है ,वहीं शुभचिंतकों ने बधाई दी है। बधाई देने वालों में जहीरुद्दीन पीरजादा, कवि देवेंद्र दीक्षित शूल, हरपाल सिंह यादव, विनय चतुर्वेदी, हरेंद्र शर्मा, हरिओम शर्मा, नरेश चतुर्वेदी , संजीव गौतम , रवि शर्मा ,राजकुमार सिंह, शरद शर्मा आदि प्रमुख हैं।

कैशलेस चिकित्सा योजना का लगेगा तीन दिवसीय कैम्प

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। मुख्य चिकित्साधिकारी, ने जानकारी देते हुए बताया कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजनाह्न के अन्तर्गत उ0प्र0 राज्य के सरकारी सेवकों, सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों एवं उनके आश्रितों के कैशलेस चिकित्सीय बोर्ड बनवाने हेतु दिनांक 22.04.2025 से 24.04.2025 तक 03 दिवसीय कैम्प मुख्य विकास अधिकारी, कार्यालय में लगाया जा रहा है। ह्लपं0 दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजनाह्न के अन्तर्गत आवेदनर्ई-केवाईसी पूर्ण करवाने हेतु कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, हाथरस से श्री आकाश शर्मा, डी0ई0ओ0 उपस्थित रहेंगें। आवेदनर्ई-केवाईसी बनावाये जाने हेतु- आधार कार्ड, बैंक की छायाप्रति, नवीनतम फोटो, विभागीय डी0डी0ओ0 कोड, सेवानिवृत्त कर्मचारियों हेतु पी0पी0ओ0 नम्बर एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज लेकर कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी हाथरस में उपस्थित हो सकते हैं। कैम्प में अन्य आवश्यक सहयोग हेतु डा0 एम0आई0आलम, नोडल अधिकारी आयुष्मान भारतध्उप मुख्य चिकित्साधिकारी, हाथरस (मो0न0- 9897484584) एवं डा0 प्रभात कुमार सिंह, डी0पी0सी0 आयुष्मान भारत (मो0न0- 9058368794) से सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।

पुलिस टीम ने स्कूल कॉलेजों में छात्राओं को किया जागरूक

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन मे जनपद मे चलाये जा रहे ऑपरेशन जागृति फेज-04 अभियान के तहत समस्त क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी एवं समस्त थानों की एन्टी रोमियो टीम, महिला बीट आरक्षियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत स्कूल, कॉलेज एवं अन्य स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर उपस्थित छात्राओं स्कूल स्टॉफ को ऑपरेशन जागृति के उद्देश्यो के बारे में जानकारी देते हुये सुरक्षा सम्बंधी उपायों, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों, संचालित कल्याणकारी योजनाओं व साइबर अपराधो से बचाव हेतु किया जागरुक ।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर महिला सम्मेलन का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस ' एक राष्ट्र एक चुनाव, महिला सम्मेलन का आयोजन बागला डिग्री कॉलेज हाथरस में मा0 अध्यक्ष उ0प्र0 राज्य महिला आयोग श्रीमती बबीता सिंह चैहान द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया जिसमें उनके द्वारा उपस्थित छात्राओं को एक राष्ट्र एक चुनाव से होने वाले लाभों के बारे में बताया देश के विकास में क्या योगदान होगा के बारे में बताते हुये कहा कि सरकारी संसाधनों की बबार्दी रूकेगी, सुरक्षा बलों पर दबाव कम होगा और नागरिक एक साथ मतदान कर पायेंगे जिससे भागीदारी बढेगी और लोकतंत्र और सशक्त बनेगा। यह भारत जैसे विशाल लोकतंत्र के लिए दीर्घकालिक समाधान हो सकता है। भारत में हर साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होते हैं इससे न केवल सरकारी खर्च बढता है बल्कि सुरक्षा, प्रशासन और संसाधनों पर बोझ पडता है। एक साथ चुनाव कराने से चुनावी खर्च में भारी कटौती की जा सकती हैऔर इन संसाधनों को देश के विकास में लगाया जा सकता है।

वृद्धावस्था पेंशन का सत्यापन प्रारंभ अपात्रों को नहीं मिलेगा लाभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिला समाज कल्याण अधिकारी सरिता ने बताया कि बुजुर्गों को बेहतर जीवन देने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना चलाई जा रही है। वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक ही योजना का लाभ पहुंच सके, इसके लिए नए वित्तीय वर्ष 2025-26 में पेंशन भुगतान के लिए सूची में शामिल लाभार्थियों के सत्यापन का कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्य सचिव के शासनादेश के द्वारा समस्त मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसके अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन के जनपद हाथरस के 34715 पेंशनरों का सत्यापन 25 मई तक किया जाएगा। मृतक एवं अपात्र पाए गए पेंशनरों को सूची से हटाकर उनकी जगह नए पात्र लाभार्थियों को लाभांवित किया जाएगा। जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा हर गांव से 25 परिवार चिन्हित किए गए हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, जिसमें जनपद हाथरस के कुल 1088 वृद्धजन चिन्हित किये गये है, इन परिवारों को समाज की मुख्य की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए समाज कल्याण विभाग ने कार्यवाही शुरू कर दी है। चिन्हित परिवारों के 60 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के वृद्धजनों को भी सत्यापन के दौरान पात्रता के अनुसार आवेदन करवाए जाएंगे और उनको लाभ दिलवाया जाएगा। उन्हें जून माह से प्रथम किश्त की पेंशन दी जाएगी। उन्होने बताया कि जनपद हाथरस के 34715 लाभार्थियों का सत्यापन किया जा रहा है। जिला समाज कल्याण अधिकारी उसमें से 10 प्रतिशत क्रॉस वेरिफिकेशन भी करेंगे।

जीवित को मृतक दशानें वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी, कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी । जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत चिन्हित निर्धनतम परिवारों को मिलेगा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ दिया जायेगा।

इंट भट्टों पर चलेगी एडीएचआर संस्था की पाठशाला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स द्वारा गरीब असहाय बच्चों को शिक्षित बनाने के लिए एक योजना तैयार की है। संस्था के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीन वार्ष्णेय ने बताया कि एडीएचआर द्वारा बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है ईट भट्टों पर काम करने वाले मजदूरों के बच्चे वहीं पर मिट्टी में खेलते रहते हैं और उनका जीवन अंधकार की ओर चला जाता है वहां तक शिक्षा नहीं पहुंच पा रही है और ना ही वह शिक्षा के मंदिर तक पहुंच पा रहे हैं उन मजदूरों के बच्चों के लिए एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स द्वारा एडीएचआर पाठशाला का शुभारंभ किया जा रहा है जिसमें 4 से 10 वर्ष तक के बच्चों को वहीं ईट भट्टों पर ही शाम को 2 घंटे की क्लास जिसमें उनके लिए बेसिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी वह बच्चे कम से कम अपना नाम लिखना,शब्दों को पढ़ना,हिसाब लगाना अन्य जरूरी ज्ञान जो जीवन जीने के लिए शिक्षा की आवश्यकता है उनको वहां पर उपलब्ध कराएगी 2 घंटे की क्लास ट्यूटर के माध्यम से उनको दिलाई जायेगी। इसके साथ उन्हे किताब, कॉपी, पेंसिल, बस्ता आदि जरूरी संसाधन संस्था द्वारा दी जाएगी जिससे भविष्य में उनके अंदर शिक्षा का अलख जगे और वह पढ़ाई की ओर प्रेरित हो।प्रेसवार्ता मे जिलाध्यक्ष उपवेश कोशिश,शैलेंद्र सांवलिया,कमलकांत दोबरावाल,प्रशांत अग्रवाल,राजेश वार्ष्णेय, भानु प्रकाश, अमन बंसल आदि उपस्थित रहे

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का दमन किए जाने के विरोध में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकताओं ने सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। विश्व हिंदू परिषद जिला हाथरस द्वारा समस्त भारत के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी द्वारा हिंदुओं पर दमन किए जाने के विरोध में पांच सूत्रीय ज्ञापन जिला अध्यक्ष भानु प्रकाश सक्सेना के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी के साथ जिला अधिकारी को सोंपा गया

ज्ञापन में वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण पश्चिम बंगाल को ममता बनर्जी के इशारे पर विशेष समुदाय द्वारा हिंदुओं के परिवारों के साथ मारकाटऔर नर्शंस हत्या का कार्य कराया जा रहा है इस कारण से वहां से हिंदू पलायन कर रहे हैं विश्व हिंदू परिषद ने ममता सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की` ज्ञापन देने से पूर्व विश्व हिंदू परिषद के आव्हान पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के साथ विभिन्न संगठनों के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मथुरा रोड स्थित सुंदर वन पर एकत्रित हुए एवं एक सभा का आयोजन किया सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता सुन्दर वन से पैदल मार्च करते हुए जय श्री राम हर हर महादेव ममता सरकार बर्खास्त करों आदि नारे लगाते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में ड उ कलेक्ट्रेट राज बहादुर को राष्ट्रपति के नाम अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा '

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का दमन किए जाने के विरोध में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकताओं ने सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। भाईचारा सेवा समिति के तत्वावधान में एक काव्य गोष्ठी हुसैनपुर में समाजसेवी हरपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई तथा संचालन शायर आतिश सोलंकी ने किया।

अतिथि के रुप में भाईचारा सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश यादव संघर्षी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरपाल सिंह यादव व नरेन्द्र सिंह जादौन निदेशक जिला सहकारी बैंक ने महान आध्यात्मिक विभूति धर्म सम्राट अनंत विभूषित परम पूजनीय श्री श्री 1008 दंडी स्वामी राजेश्वर जी महाराज की पुण्यतिथि पर दीप प्रज्वलित कर व पुष्पांजली अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । कार्यक्रम में आमन्त्रित सभी अतिथि, समाजसेवियों कवियों को आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया ।

शायर आतिश सोलंकी ने पढ़ा -

जो मां बाप में देखते हैं खुदा को
उन्हीं घर में जश्ने बहारा मिला है...

कवि महेश यादव संघर्षी ने पढ़ा

मैं गंगा हूं मैं पावन हूं मगर सागर से डर मुझको
नीर मीठे को खाराकर रतन नीलाम ना कर दे

शायर शिवम् अश्क ने पढा

कुछ लोग मेरी मौत पर आंसू बहाने आये
कुछ गुलाब अपने काँटों का दर्द बताने आए

गजलकार अब्दुल कदीर जिया ने पढ़ा

हमको मालूम है कि वाइसे नफरत क्या है
फिर हमें याद दिलाने की जरुरत क्या है

हैकवि धीरु वर्मा ने पढा

माँ की ममता में इतने दुलारे हैं
उसके आँचल में बचपन गुचारे हैं

काव्य गोष्ठी में आनंद वर्मा मण्डल उपाध्यक्ष, रिंकू यादव, देवा बघेल, डॉ अवधेश कुमार, अखिलेश शास्त्री, डॉ राहुल कुमार, डॉ.संजय कुमार, श्रीनिवास मुनीम जी, दिनेश कुमार, मनोज सविता, ज्ञानेन्द्र चौहान, विशाल गोला, देवेन्द्र बघेल, सत्यवीर यादव एडवोकेट, जितेन्द्र एडवोकेट, नबाब अहमद कुरैशी, संजीव यादव, राजकुमार जाटव, संदीप कुमार, प्रमोद कुमार, मृदुल यादव एडवोकेट, राहुल यादव, सुधीर यादव व प्रशांत यादव आदि मौजूद थे।

तीन घंटे में बालिका खोजकर की परिजनों के सुपुर्द

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली सासनी पुलिस ने पुलिस कप्तान चिरंजीव नाथ सिंन्हा के आदेशानुसार तथा एएसपी एवं सीओ के निर्देशन में चलाए जा रहे गुमशुदा एवं लापता व्यक्ति खोज अभियान के तहत क्षेत्र में भ्रमण पर थे तभी उन्हें चार वर्षीय एक मासूम रोती मिली तो उससे पूछताछ के बाद परिजनों को सौंप दिया। शनिवार को प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार शर्मा के अनुसार शुक्रवार को एक महिला घरेलू सामान खरीदने सासनी ई-रिक्शा में बैठकर आई थी। उसके पीछे उसी चार वर्षीय मासूम भी उसके पीछे चल दी। इसका उसने ध्यान नहीं दिया। महिला बाजार आ गई और पुत्री राह भूल जाने के कारण कहीं गुम हो गई। जब इसकी जानाकारी घर जाने पर महिला को हुई तो परिजनों ने सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया और चार वर्षीय मासूम की खोज शुरू कर दी। मासूम की तलाश हेतु टीमें गठित कर उसके फोटो को लेकर आसपास के बाजार तथा मुहल्लों में ले जाकर लोगों से उसके बारे में पूछताछ की गई । इसी क्रम में बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार व अन्य स्थानों पर तलाश हेतु अथक प्रयास किये गये आस-पास के स्थानों पर तलाश करते हुए इलाका पुलिस ने चार वर्षीय मासूम को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजनों ने मासूम को सकुशल अपने संरक्षण में ले लिया गया है गुमशुदा लडकी के सकुशल मिलने पर परिवारीजनों ने पुलिस उत्तम कार्य की भारी प्रशसा करते हुए धन्यवाद दिया।

राज्य सरकारों की पंचायतों के प्रति उपेक्षा असहनीय : अशोक जादौन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक जादौन ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाएँ संवैधानिक अधिकार पाकर भी अधिकांश राज्यों में सरकार की उपेक्षा के कारण सफलता हासिल नहीं कर पा रही हैं। महात्मा गांधी जी के ग्राम स्वराज का सपना साढ़े सात लाख गाँवों के भारत के भविष्य को उज्ज्वल करना था। लेकिन यह काम लोक सभा और विधान सभा के सदस्यों एवं स्वार्थी राजनीतिज्ञों के कारण बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों पदाधिकारियों एवं ग्राम वासियों के कंधों पर 78 वर्ष के बाद लोकतंत्र की रक्षा का भार और पंचायती राज जो जर्जर और विखंडित अवस्था में है। उसे सशक्त एवं सबल बनाने का दायित्व है। पंचायतों को कागज पर लोकतांत्रिक मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए सभी वर्ग,समुदाय, अल्प संख्यक , महिला, अनुसूचित एवं जन जाति इत्यादि का प्रतिनिधित्व मिला है और पंचायती राज में एक साथ काम करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ निः स्वार्थ भाव से कीजिए। विभिन्न प्रदेशों के भ्रमण के दौरान प्रायः देखने को मिला कि समाज के निम्न दबे- कुचले वर्ग , जिनका जीवन सदियों से अशिक्षा, शोषण और अंधकार में व्यतीत हो रहा है। उन्हें राजनीतिज्ञों, विधान सभा और लोक सभा की नीतियों पर भरोसा नहीं हो पा रहा है। ऐसे लोगों के जीवन स्तर को उठाना और उन्हें रोशनी प्रदान करना , पंचायतों का प्रथम कर्तव्य बनता है। पंचायती राज में सम्पूर्ण शक्तियाँ ग्राम सभा को सौंपी गयी है। अखिल भारतीय पंचायत परिषद , सम्बद्ध प्रदेश/ राज्य पंचायत परिषद एवं बलवंत राय मेहता पंचायती राज संस्थान (फाउंडेशन) अपने स्तर से साढ़े सात लाख गाँवों एवं ग्राम सभाओं में कार्यरत पंचायती राज प्रतिनिधियों के हितों की रक्षा के लिए कृत संकल्प है।

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ल्लसिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?
सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं।ङ्क
राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लरेत में सोना! यह कैसे किया?
सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ल्लहुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।
राजा ने चौंकते हुए कहा, ल्लक्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?
सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।
राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।
इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।
राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।
सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।
देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।
इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।
इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ल्लसूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।
हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।
सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?
राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

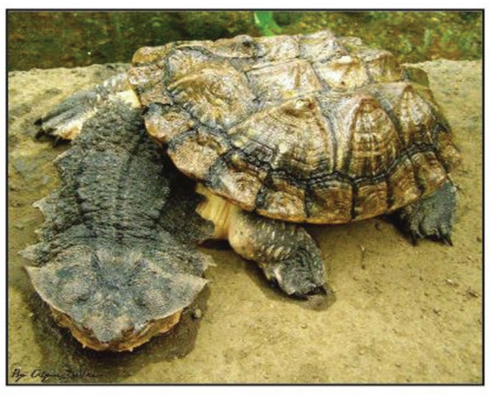

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।
लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।
75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिमब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।
अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।
नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।
इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।
हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

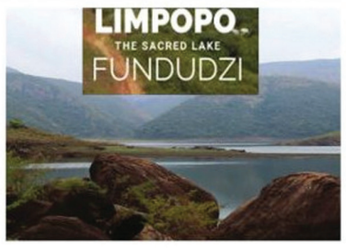

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.
कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है.
जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.
आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहा पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैय तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है :

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैय़े लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ८इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

अर्शदीप ने पीयूष चावला का रिकॉर्ड तोड़ा

पंजाब के हाईएस्ट विकेट टेकर बने, यानसन-इंग्लिस ने लपके शानदार कैच

बेंगलुरु एजेंसी। आईपीएल-18 के 34वें मैच में पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 5 विकेट से हरा दिया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के कारण मैच 14-14 ओवर का खेला गया। बेंगलुरु ने पहले बैटिंग करके 9 विकेट खोकर 95 रन बनाए। पंजाब ने 12.1 ओवर में 5 विकेट खोकर 98 रन बनाए और टारगेट हासिल कर लिया। शुक्रवार को रोचक लम्हे और रिकॉर्ड देखने को मिले। आईपीएल में अर्शदीप सिंह पंजाब के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बने। मार्को यानसन ने पीछे की तरफ भागकर विराट कोहली का डाइविंग कैच लपका। जोश इंग्लिस ने फिल सॉल्ट का रनिंग कैच लिया। रजत पाटीदार ने 1000 रन पूरे किए। बेंगलुरु ने मैच के पहले ओवर में विकेट गंवाया। अर्शदीप सिंह ने ओवर की चौथी बॉल शॉर्ट लेंथ की फेंकी। फिल सॉल्ट ने इसे स्क्वायर लेग की दिशा में पुल करने की कोशिश की। गेंद ने टॉप एज लिया और हवा में चली गई। जोश इंग्लिस ने दौड़ लगाई और शॉर्ट स्क्वायर लेग की ओर जाकर ग्लव्स से कैच पकड़ लिया। इस शानदार कैच से अर्शदीप को शुरुआती सफलता मिली। सॉल्ट ने ओवर की पहली बॉल पर चौका भी लगाया था।

तीसरे ओवर की चौथी बॉल पर ऋषक ने विराट कोहली का विकेट खो दिया। अर्शदीप सिंह ने ओवर की चौथी बॉल शॉर्ट लेंथ पर क्रॉस-सीम की फेंकी। कोहली फ्रंट फुट पर रहकर पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के बीचों बीच नहीं लगी। गेंद हवा में ऊपर गई और ऐसा लग रहा था कि मिड-ऑन के ऊपर से निकल जाएगी। लेकिन मार्को यानसन ने शानदार दौड़ लगाई, आंखें गेंद पर टिकाए रखीं, कैच पकड़ा और जमीन पर गिरते हुए भी गेंद को सुरक्षित रखा। दूसरे ओवर की आखिर बॉल जेवियर बार्टलेट ने डाली। उन्होंने गुड लेंथ पर स्टंप्स की लाइन में गेंद की। पाटीदार आगे की ओर झुके और लेंथ को जल्दी पहचानकर मिड-ऑन के ऊपर से शॉट खेला। ऐसा लग रहा था कि गेंद आसानी से बाउंड्री तक जाएगी, लेकिन आउटफील्ड गीला होने की वजह से गेंद बाउंड्री के पास जाकर रुक गई। बल्लेबाजों ने इसका फायदा उठाते हुए दो रन पूरे किए। आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बैटर्स की सूची में रजत पाटीदार ने भी अपना नाम जोड़ लिया है। रिकॉर्ड्स में पाटीदार का नाम दूसरे नंबर पर है, उन्होंने 30 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया। पहले नंबर पर साई सुदर्शन हैं, उन्होंने मात्र 25 पारियों में यह मुकाम हासिल कर लिया, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज़ के लिए सबसे तेज है। अर्शदीप सिंह ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। उन्होंने अब तक 86 विकेट अपने नाम किए हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड पीयूष चावला के नाम था, जिन्होंने पंजाब के लिए 84 विकेट लिए थे। इसके बाद संदीप शर्मा (73 विकेट), अक्षर पटेल

जीतू ने शिविर में दिए थे उपयोगी सुझाव

नई दिल्ली एजेंसी। सुरुचि ने अपनी प्रतिभा और धैर्य से काफी प्रभावित किया है। उन्हें अपनी घरेलू सफलता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए थोड़ी सलाह की जरूरत थी और ऐसे में उन्हें जीतू से मार्गदर्शन मिला। निशानेबाज सुरुचि सिंह की अंगुलियों में सटीक निशाना साधने की प्रतिभा पहले से ही थी लेकिन राष्ट्रीय शिविर में पिस्टल के दिग्गज जीतू राय से मिले सुझाव से वह दक्षिण अमेरिका में आईएसएसएफ विश्व कप में कई स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। भारत की शीर्ष घरेलू प्रतियोगिताओं में कई पदक जीतने वाली इस 18 साल की निशानेबाज को भारतीय निशानेबाजी में अगली बड़ी खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है। सुरुचि ने अपनी प्रतिभा और धैर्य से काफी प्रभावित किया है। उन्हें अपनी घरेलू सफलता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए थोड़ी सलाह की जरूरत थी और ऐसे में उन्हें जीतू से मार्गदर्शन मिला। इस सुझाव के बाद उन्होंने बेहद ही कम समय में आईएसएसएफ विश्वकप में दो व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। सुरुचि ने कहा, जीतू ने मुझे कुछ सुझाव दिए, जिनसे मुझे यहां बहुत मदद मिली और खेल में आगे बढ़ने के लिए ये सलाह महत्वपूर्ण हैं। मैंने उनकी सलाह का पालन किया और इसका फल मुझे मिला। वर्तमान में राष्ट्रीय टीम के पिस्टल कोचों में से एक जीतू को सुरुचि लंबे समय से जानती हैं। जब झज्जर की निशानेबाज ने अपने राष्ट्रीय कोच के रूप में सेना के इस पूर्व निशानेबाज को चुना तो कोई आश्चर्य नहीं हुआ। सुरुचि के पिता भी सेना से हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। जीतू ने कहा, जब मैंने उसे प्रशिक्षण के दौरान निशाना साधते हुए देखा तो मैंने महसूस किया कि उसका हाथ थोड़ा बाईं ओर झुका हुआ था। अभ्यास के साथ उसने इसे जल्दी ही ठीक कर लिया। हमने 15 दिनों तक कर्णी सिंह रेंज में प्रशिक्षण लिया और यह एक बहुत ही उपयोगी शिविर था। जीतू ने कहा, जब मैंने उसे प्रशिक्षण के दौरान निशाना साधते हुए देखा तो मैंने महसूस किया कि उसका हाथ

वरिष्ठ समाजसेवी विजय कपूर, कोऑपरेटिव स्टेट चैयरमेन, कानपुर के साथ मोर्निंग सिटी समाचार पत्र की टीम के साथ शिष्टाचार भेंट

आईपीएल 2025 में आज डबल हेडर अहमदाबाद में गुजरात का दिल्ली से मुकाबला, हेड टु हेड में दिल्ली कैपिटल्स आगे

नई दिल्ली एजेंसी। आईपीएल-2025 में आज डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) खेला जाएगा। दिन के पहले मैच गुजरात टाइटंस का सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा। मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा। गुजरात ने अपना सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ हार के साथ शुरू किया था, लेकिन इसके बाद टीम ने मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और राजस्थान के खिलाफ लगातार चार मैच जीतकर शानदार वापसी की। हालांकि, पिछले मैच में लखनऊ के हाथों 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम के 6 मैचों में 8 पॉइंट्स हैं। दूसरी ओर, दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ एकमात्र मैच गंवाया है, जबकि लखनऊ, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और राजस्थान के खिलाफ जीत दर्ज की है। राजस्थान के खिलाफ सुपर ओवर में मिली जीत ने टीम का

आत्मविश्वास और बढ़ाया है। 6 मैचों में 10 अंकों के साथ दिल्ली फिलहाल पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। दिन के दूसर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। आईपीएल में दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 5 मैच खेले गए हैं। 2 में गुजरात टाइटंस और 3 में दिल्ली कैपिटल्स को जीत मिली। पिछले तीनों मुकाबले दिल्ली ने ही जीते हैं। इस मैदान पर दोनों टीमें तीसरी बार एक-दूसरे का सामना करेंगी। पिछले दोनों मैच में गुजरात ने जीते हैं। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन टीम के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 6 मैचों में कुल 329 रन बनाए है। सुदर्शन इस सीजन में अब तक 4 हाफ सेंचुरी लगा चुके है। वे इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजों में प्रसिद्ध कृष्णा टॉप पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में कुल 10 विकेट लिए हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 30 रन देकर 3 विकेट हॉल लिया था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने सबसे ज्यादा 238 रन बनाए हैं। वहीं, दिल्ली के गेंदबाज कुलदीप यादव टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 6 मैचों में 11 विकेट लिए। उनके बाद मिचेल स्टार्क ने 5 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच बैटिंग फ्रैंडली है। यहां अब तक आईपीएल के 38 मैच खेले गए हैं। 18 मैचों में पहली इनिंग में बैटिंग करने वाली टीम और 20 में चेज करने वाली टीम को जीत मिली। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 243/5 है, जो पंजाब किंग्स ने इसी सीजन गुजरात के खिलाफ बनाया था। यह मुकाबला पंजाब ने 11 रन से जीता था। अहमदाबाद में मैच वाले दिन काफी ज्यादा गर्मी रहेगी। शनिवार को यहां का टेम्परेचर

बांगर की बेटी बोलीं-जेंडर चेंज पर क्रिकेटर्स गालियां देते थे

पिता ने खेलने से मना किया था, हार्मोन थेरेपी कर आर्यन से अनाया बनीं

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी और क्रिकेटर संजय बांगर के बेटे ने हाल ही में जेंडर चेंज करवाया और आर्यन से अनाया बांगर बन गए। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा है कि उनके बारे में जानने के बाद कुछ खिलाड़ी उन्हें गंदी-गंदी गालियां देते थे, वहीं उन्होंने आरोप लगाया कि एक क्रिकेटर ने उन्हें अपने साथ सोने भी ऑफर दिया। अनाया ने बताया, जब मैं भारत में थी तब मैंने एक पुराने क्रिकेटर को अपनी स्थिति के बारे में बताया। उसने मुझसे कहा कि चलो कार में चलते हैं, मैं तुम्हारे साथ सोना

चाहता हूं। उन्होंने कहा कि कुछ क्रिकेटर्स ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने मुझे अपनी नग्न तस्वीरें भेजी हैं। एक व्यक्ति मेरे साथ गाली-गलौच करता था। उन्होंने कहा कि वह व्यक्ति सबके सामने गालियां देता था। फिर वही व्यक्ति मेरे पास आकर बैठता था और मेरी तस्वीरें मांगता था। परिवार से हमेशा सपोर्ट मिला। पिता ने मुझे फैक्ट्स से अवगत कराते हुए कहा था क्रिकेट में मेरे जैसे लोगों के लिए जगह नहीं है। इसलिए मैंने सोचा कि मुझे खुद के लिए कुछ तो स्टैंड लेना ही होगा। अनाया ने कहा, जब मैं 8 या 9 साल की थी तब मैं अपनी मां की अलमारी से कपड़े निकालती थी और उसे पहनती थी। फिर मैं खुद को शीशे में देखते हुए कहती कि मैं एक लड़की हूं और मैं यही बनना चाहती हूं। अनाया ने बताया, मैंने मुशीर खान, सरफराज खान, यशस्वी जायसवाल जैसे कुछ जाने-माने क्रिकेटरों के साथ खेला है, लेकिन मैं अपने बारे में सब कुछ छुपाकर रखती थी, क्योंकि मेरे पिताजी का देश में क्रिकेट की दुनिया में जाना-पहचाना नाम था। इसलिए मैं किसी से कुछ नहीं बताती थी। अनाया का क्रिकेट करियर बहुत लंबा नहीं चला सका। वे मुंबई में क्लब क्रिकेट खेल चुकी हैं। इसके साथ ही मैनचेस्टर इंग्लैंड में रहते हुए काउंटी क्लब के लिए भी मैच खेले हैं। उन्होंने एक मैच में 145 रनों की पारी खेली थी। उन्होंने क्रिकेट की शुरुआती ट्रेनिंग अपने पिता संजय बांगर से ही ली। अनाया मुंबई क्रिकेट एसोसिशन से जुड़ी थीं। 2023 में हार्मोन थेरेपी शुरू करने के बाद क्रिकेट करियर बुरी तरह प्रभावित हुआ। इसके बाद क्रिकेट से दूर हो गईं।

डेवाल्ड ब्रेविस चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल इंजर्ड गुरजपनीत आईपीएल से बाहर, गुजरात टाइटंस में फिलिप्स की जगह शनाका जुड़े

नई दिल्ली एजेंसी। साउथ अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हो गए हैं। ब्रेविस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर चेन्नई के साथ स्टोरी शेयर की। 2024 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले ब्रेविस को 2025 मेगा ऑक्शन में नहीं खरीदा था। ब्रेविस को तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह शामिल किया है। गुरजपनीत नेट प्रैक्टिस के समय इंजर्ड हुए थे। ब्रेविस को ष्ट्रस्व ने 2.2 करोड़ रुपए में साइन किया है। वहीं गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 के बाकी मैचों के लिए चोटिल ग्लेन फिलिप्स की जगह श्रीलंका के ऑलराउंडर दसुन शनाका को शामिल किया है। हालांकि, कागिसो रबाडा के रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की गई है। शनाका इससे पहले 2023 में लखनऊ के लिए खेल चुके हैं। उन्हें 75 लाख में गुजरात ने अपने साथ जोड़ा है। डेवाल्ड ब्रेविड ने 2022 में मुंबई इंडियंस से आईपीएल में डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 10 मैच खेले हैं, जिसमें 230 रन स्कोर किए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 133.72 का रहा। 6 अप्रैल को खेले गए मैच में हैदराबाद की पारी के छठे ओवर में ग्लेन फिलिप्स को चोट लगी। प्रसिद्ध कृष्णा के ओवर में एक थ्रो फेंकते समय उनकी मसल्स में खिंचाव आया। बाद में फिजियो उन्हें मैदान से बाहर ले गए। फिलिप्स अब तक कुल 8 आईपीएल मैच खेले हैं। इस दौरान 65 रन और दो विकेट लिए हैं। फिलिप्स को गुजरात ने आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्हें 2023 के आईपीएल सीजन में प्लेइंग-11 में मौका नहीं मिला। शनाका ने अब तक आईपीएल का केवल एक सीजन खेला है, जब उन्हें लखनऊ के लिए तीन गेम मिले थे, जिसमें उन्होंने केवल 26 रन बनाए थे और दो सीजन पहले उन्हें गेंदबाजी करने का मौका ही नहीं मिला था। इस बीच तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा भी निजी कारणों से 3 अप्रैल को घर चले गए थे। इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि वे कब और क्या भारत लौटेंगे। लखनऊ ने रबाडा के लिए किसी रिप्लेसमेंट का नाम नहीं बताया है।

लखनऊ के खिलाफ राजस्थान ने 5 में से 4 मैच जीते, जयपुर में तीसरी बार होगा सामना

नई दिल्ली एजेंसी। आईपीएल के 18वें सीजन में आज डबल हेडर (एक दिन में 2 मैच) खेला जाएगा। दिन के दूसर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। मुकाबला जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। अब तक 7 मैच खेलने के बाद सिर्फ 2 मैच जीते हैं तो रस्त ने इतने ही मुकाबलों में 4 मैच जीते हैं। हालांकि हेड टु हेड में राजस्थान रॉयल्स का पलड़ा भारी रहा है। वहीं, दिन के पहले मैच गुजरात टाइटंस का सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा। मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा। राजस्थान और लखनऊ के बीच आईपीएल में अब तक 5 ही मुकाबले खेले गए। राजस्थान को 4 में और लखनऊ को महज 1 में जीत मिली। राजस्थान के होम ग्राउंड जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच अब तक 2 मैच खेले गए है। इसमें दोनों टीमों ने 1-1 जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 7 मैचों में 233 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर कप्तान संजू सैमसन हैं। उन्होंने 7 मैचों में 224 रन बनाए हैं। इसमें एक अर्धशतक शामिल है। गेंदबाज वनिंदु हसरंगा टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने अपने 5 मैचों में कुल 7 विकेट लिए है। लखनऊ

के बल्लेबाजी में निकोलस पूरन, मिचेल मार्श और एडेन मार्करम अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। पूरन फिलहाल ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। वे सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 7 मैचों में 357 रन बनाए हैं। वहीं रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किए गए शार्दुल ठाकुर लखनऊ के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज है। उन्होंने 7 मैचों में कुल 11 विकेट झटके है। जयपुर के सवाई मानसिंह की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित होगी है। टी-20 क्रिकेट में यहां 180-196 के बीच का स्कोर आम बात है। इस सीजन यहां यह दूसरा मैच होगा। जयपुर में अब तक 58 आईपीएल मैच खेले गए। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने यहां 20 और 38 मैचों में चेज करने वाली टीम ने जीत हासिल की है। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 217/6 है, जो सनराइजर्स हैदराबाद ने 2023 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बनाया था। जयपुर में मैच वाले दिन मौसम काफी गर्म रहेगा। शनिवार को यहां का टेम्परेचर 28 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-12 :-

राजस्थान रॉयल्स - संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, नीतीश राणा, वनिंदु हसरंगा, जोफा आर्चर, महीश तीक्षणा, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे, कुमार कार्तिकेय।

लखनऊ सुपर जायंट्स - ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, ऐडन मार्करम, निकोलस पूरन, डेविड मिलर, अब्दुल समद, शार्दूल ठाकुर, दिग्वेश राठी, आवेश खान, आकाश दीप, रवि बिश्नोई, आयुष बडोनी।

लखनऊ के केडी बाबू सिंह स्टेडियम में संसद खेल महाकुंभ का उद्घाटन

नई दिल्ली एजेंसी। नमस्कार! हम यहां आपको आज के खेल से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दे रहे हैं। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में संसद खेल महाकुंभ का आगाज हो चुका है। रक्षा मंत्री और लखनऊ से सासंद राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। उनके साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और मंत्री दिनेश शर्मा मौजूद रहे। इस दौरान बच्चों ने स्टेडियम में करतब दिखाए। फर्राटा धाविका आरती ने सऊदी अरब के दम्माम में शुक्रवार को लड़कियों की 200 मीटर स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करते हुए एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। इससे पहले बुधवार को लड़कियों की 100 मीटर स्पर्धा में पोडियम पर जगह बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी ने 24.31 सेकंड का समय निकालकर यूएई की मरियम करीम (23.99 सेकंड) और जापान की शिबाता मिसाटो (24.16 सेकंड) से पीछे रहीं। इस स्पर्धा में अन्य भारतीय धावक प्रिशा मिश्रा ने 25.16 सेकंड का समय लेकर आठवां स्थान हासिल किया।

बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे पृथ्वीराज सुकुमारन और करीना कपूर

बॉलीवुड में एक नई जोड़ी दर्शकों के सामने आने को तैयार है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगे। 'राजी' और 'तालवर' जैसी यादगार फिल्में देने वाली मेघना अब जंगली पिक्चर्स के साथ तीसरी बार फिल्म बनाने जा रही हैं। 'दायरा' एक क्राइम ड्रामा है। फिल्म के एलान के बाद फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ गई है। करीना कपूर ने किया नई फिल्म का एलान करीना ने इस फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर बड़े उत्साह के साथ की। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा निर्देशक के निर्देश पर काम करने वाली अभिनेत्री रही हूं। इस बार मेघना गुलजार जैसे शानदार निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास है। पृथ्वीराज के अभिनय की मैं कायल हूं। उनके साथ यह सफर और रोमांचक होगा। 'दायरा' मेरी ड्रीम टीम का प्रोजेक्ट है। 'दायरा' की कहानी मेघना गुलजार, यश केसवानी और सीमा अग्रवाल ने मिलकर लिखी है। फिल्म अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट और मेघना का नाम पहले ही इसे चर्चा में ला चुका है। करीना का बेबाक अंदाज और पृथ्वीराज की गंभीर अदाकारी इस फिल्म को खास बनाने का दम रखती है। मेघना की फिल्में हमेशा दिल को छूती हैं और फैंस को 'दायरा' से भी ऐसी ही उम्मीद है।

सिंघम अगेन में दिखी थीं करीना

करीना कपूर को पर्दे पर आखिरी बार सिंघम रिटर्न्स में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन समेत कई बड़े सितारे नजर आए थे। हालांकि, रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

'द फैमिली मैन' के नए सीजन को लेकर प्रियामणि ने दिया अपडेट

चाहें एक इंटेलिजेंस ऑफिसर की पत्नी का किरदार हो, चाहें पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी का। अभिनेत्री प्रियामणि हर किरदार में पूरी तरह से उतर जाती हैं और उसे अच्छे से निभाती हैं। प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में पीएमओ की ज्वॉइंट सेक्रेटरी के रूप में राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार के लिए काफी प्रशंसा भी मिली। साथ ही आईफा 2025 में भी प्रियामणि को 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार किरदार के लिए सहायक अभिनेत्री की कैटेगरी में नॉमिनेशन भी मिला। इस मौके पर प्रियामणि ने अमर उजाला से खास बातचीत में 'आर्टिकल 370' के अपने किरदार और 'द फैमिली मैन सीजन 3' के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियामणि ने आईफा में नॉमिनेशन मिलने और 'आर्टिकल 370' के अपने राजेश्वरी स्वामिनाथन के किरदार को मिली प्रशंसा के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म के लिए आईफा में नॉमिनेशन मिलना काफी उत्साहित करने वाला है। इंडस्ट्री से लेकर आम जनता तक हर किसी ने किरदार को पसंद किया और उसकी तारीफ की। इंडस्ट्री में भी लोगों से प्रशंसा मिली। जिस तरह से मैंने किरदार को निभाया, उसे लोगों ने काफी पसंद किया। इंडस्ट्री से इतर कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि मैं वाकई में पीएमओ में काम करने वाली लग रही थी। मैंने इस तरह से किरदार को निभाया।'

इस बार और भी बेहतर होगा द फैमिली मैन का अगला सीजन

इस दौरान प्रियामणि ने 'द फैमिली मैन' के अगले सीजन के बारे में भी बात की, साथ ही ये भी बताया कि सीजन 3 कब तक आएगा। अभिनेत्री ने कहा, 'द फैमिली मैन का अगला सीजन बहुत ही जल्द आएगा। बस थोड़ा सा इंतजार और करिए।' हालांकि, उन्होंने इसको लेकर ज्यादा कुछ भी बोलने या जानकारी देने से साफ इंकार कर दिया। उन्होंने बस ये ही कहा कि सीरीज का यह सीजन पिछले दो सीजन से भी ज्यादा बेहतरीन और कमाल होने वाला है।

सुचित्रा तिवारी के किरदार में नजर आई हैं प्रियामणि

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' में प्रियामणि ने उनके किरदार श्रीकांत तिवारी की पत्नी सुचित्रा तिवारी का किरदार निभाया था। सीरीज के पिछले दोनों सीजन में प्रियामणि के काम को काफी पसंद किया गया है। अब फैंस 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गोविंदा ही नहीं बिग बी के साथ भी काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस, इन हिंदी फिल्मों में किया काम

राम्या कृष्णन साउथ का जाना माना नाम हैं, लेकिन ये जानकार आपको हैरान होगी कि अभिनेत्री ने कई शानदार हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। बाहुबली के दोनों भाग में शिवगामी देवी के रोल से उन्होंने चारों तरफ खूब वाहवाही प्राप्त की थी। अब राम्या सनी देओल अभिनीत फिल्म जाट में नजर आ रही हैं। जानिए अभिनेत्री की हिंदी फिल्मों के बारे में।

क्रिमिनल

नागार्जुन अक्किनेनी, मनीषा कोइराला और राम्या कृष्णन अभिनीत फिल्म क्रीमिनल का निर्देशन महेश भट्ट के द्वारा किया गया था। इस फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया था। तुम मिले दिख खिले जैसे गानों ने फिल्म को हिट करा दिया था।

बनारसी बाबू

डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म बनारसी बाबू में राम्या कृष्णन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अभिनेत्री के साथ अपोजिट रोल में गोविंदा थे। साल 1997 में रिलीज हुई यह कॉमेडी फिल्म हिट रही थी।

बड़े मियां छोटे मियां

साल 1998 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया था। फिल्म में कई दिग्गज कलाकार मौजूद थे। इसमें अमिताभ बच्चन के अपोजिट राम्या कृष्णन ने शानदार भूमिका निभाई थी। इन दोनों के अलावा फिल्म में गोविंदा और रवीना टंडन ने भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने सिनेमाघरों मे औसत प्रदर्शन किया था।

चाहत

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म चाहत साल 1996 में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म में पूजा भट्ट के अलावा राम्या कृष्णन ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। यह एक रोमांटिक- थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में इन कलाकारों के अलावा अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह ने भी शानदार अभिनय किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि राम्या कृष्णन की ये फिल्म फ्लॉप रही थी।

सामंथा ने इसलिए ठुकरा दी करोड़ों की डील हिंदी सिनेमा में वापसी के लिए जबर्दस्त तैयारी

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार रहीं सामंथा रुथ प्रभु की साल 2012 में आई पहली हिंदी फिल्म 'एक दीवाना था' के 13 साल बाद उनके एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म में लीड हीरोइन के तौर पर बड़े परदे पर उतरने के आसार बनते दिख रहे हैं। इस फिल्म को करने से पहले सामंथा ने अपनी पर्सनल ब्रांडिंग के लिए खास रिसर्च कराई है और माना जा रहा है कि उनकी पर्सनल ब्रांडिंग हिंदी सिनेमा में एक 'केयरिंग' सुपरस्टार के तौर पर आने वाले दिनो में और मजबूत होने वाली है।

पहले 'फैमिली मैन 2' और फिर 'सिटाडेल- हनी बनी' में हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच खूब पसंद गई सामंथा की इस साल कोई फिल्म रिलीज नहीं होने वाली है। लेकिन, अगले साल के लिए सामंथा ने एक तो अपनी ही प्रोडक्शन कंपनी की शूटिंग शुरू कर दी है, दूसरी फिल्म उनकी हिंदी सिनेमा के एक ऐसे प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बताई जा रही है, जो अरसे से साउथ सिनेमा के सितारों को हिंदी सिनेमा में लॉन्च करने की कोशिश में रहा है। जानकारी के मुताबिक सामंथा को हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लांच करने जा रही इस कंपनी ने साउथ के एक बड़े सितारे को लेकर एक द्विभाषी फिल्म कुछ साल पहले बनाई भी, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी सफल नहीं रही। सामंथा के करीबी बताते हैं कि हिंदी पट्टी में बड़े परदे पर उतरने की तैयारी वह बीते तीन-चार साल से करती आ रही हैं और इसी के चलते उन्होंने ऐसे किसी भी ब्रांड का विज्ञापन करने से मना किया जिसके चलते लोगों की सेहत पर खराब असर पड़े। सॉफ्ट ड्रिंक्स से लेकर सौंदर्य क्रीम तक के दर्जनों प्रस्ताव इस दौरान सामंथा को मिलते रहे हैं, लेकिन वह कहती हैं, मैंने अपनी युवावस्था में जो गलतियां कीं, मैं नहीं चाहती कि आज की युवतियां उन्हें दोहराएं। अब जब भी कोई सौंदर्य उत्पाद या सेहत से जुड़ा उत्पाद मेरे पास एंडोर्समेंट के लिए आता है तो सबसे पहले मैं अपने तीन डॉक्टरों के एक पैनल से सलाह लेती हूं। उसके बाद भी किसी ब्रांड के साथ अपना नाम जोड़ने का फैसला लेती हूं। अगर मैं गिनने बैठूं तो सिर्फ बीते एक साल में मैंने 15 बड़े ब्रांड को मना किया। जाहिर है इससे मुझे करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ, लेकिन मेरा मानना है एक लोकप्रिय सितारे को पैसे से ज्यादा अपने प्रशंसकों की सेहत को अहमियत देनी चाहिए। ज्यादा दिन नहीं हुए सब अभिनेता आर माधवन ने भी इसी तरह करोड़ों रुपये की एक डील एक पान मसाला कंपनी का प्रस्ताव ठुकराकर रद्द कर दी थी। माधवन का बेटा वेदांत अंतर्राष्ट्रीय तैराकी चैंपियन है और अपने बेटे के खेल प्रेम को देखते हुए ही माधवन ने ऐसे किसी भी ब्रांड का प्रमोशन न करने का फैसला किया है जो लोगों की सेहत पर विपरीत असर डाल सकता हो। सामंथा की कोशिश भी अपना पर्सनल ब्रांड माधवन की तरह का ही विकसित करने की है।

रणबीर कपूर की रामायण में ये अहम किरदार निभाने वाले थे जयदीप

रणबीर कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट से लेकर शूटिंग तक को लेकर लगातार समय-समय पर जानकारियां सामने आ रही हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक और जानकारी सामने आ रही है। जिसमें ऐसा बताया जा रहा है कि 'रामायण' में विभीषण के किरदार के लिए अभिनेता जयदीप अहलावत से भी बात की गई थी और अभिनेता इस किरदार के लिए काफी उत्सुक भी थे, लेकिन फिर बात नहीं बन पाई

जयदीप अहलावत थे उत्सुक, लेकिन...

रिपोर्ट्स की मानें तो विभीषण के किरदार के लिए जयदीप अहलावत मेकर्स की पहली पसंद थे। मेकर्स ने जयदीप अहलावत से इस किरदार के लिए बातचीत भी की। अभिनेता खुद भी इस माइथोलॉजी फिल्म को करने के लिए काफी उत्सुक थे। हालांकि, डेट्स ने जयदीप अहलावत की इच्छाओं पर पानी फेर दिया। अपने शेड्यूल और डेट्स की कमी के चलते जयदीप अहलावत को इस किरदार को मना करना पड़ा। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि निर्माता उन्हें मुख्य भूमिका के लिए लाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन तारीखें बस मेल नहीं खा रही थीं।

विजय सेतुपति का नाम भी था चर्चाओं में

हालांकि, विभीषण के रोल के लिए सिर्फ जयदीप अहलावत ही रेस में नहीं थे। पिछले साल ऐसी चर्चाएं भी काफी थीं कि तमिल सुपरस्टार विजय सेतुपति से भी विभीषण के किरदार के लिए बात की गई थी। हालांकि, बाद में वहां भी बात नहीं बन सकी और विजय सेतुपति भी इस किरदार को निभाने से चूक गए।

रणबीर राम और साई पल्लवी बनेंगी माता सीता

'रामायण' में भगवान राम के किरदार के लिए रणबीर कपूर, सीता माता के किरदार के लिए साई पल्लवी और रावण के किरदार के लिए केजीएफ स्टार यश का नाम फाइनल हो चुका है। जबकि सनी देओल के फिल्म में हनुमान जी का किरदार निभाने की चर्चाएं हैं।

दो पार्ट में रिलीज होगी फिल्म

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' की फिलहाल शूटिंग चल रही है। फिल्म से अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म दो पार्ट्स में रिलीज होनी है। इसका पहला भाग साल 2026 में जबकि दूसरा भाग 2027 में रिलीज होने की संभावना है।

एनिमल और मार्को से हिट 3की तुलना किए जाने पर नानी ने तोड़ी चुप्पी

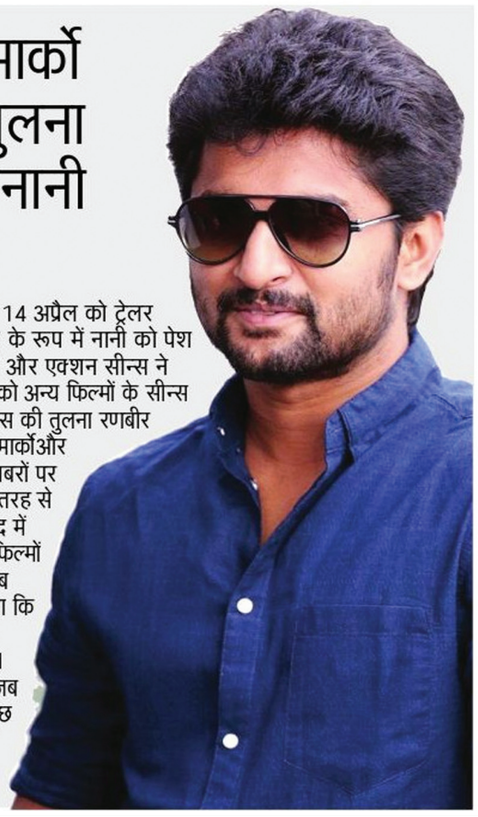

हिट- द थर्ड केस के निर्माताओं ने 14 अप्रैल को ट्रेलर जारी किया, जिसमें अर्जुन सरकार के रूप में नानी को पेश किया गया। फिल्म के डार्क, खूनी और एक्शन सीन्स ने लोगों का ध्यान खींचा, जिसे यूजर्स को अन्य फिल्मों के सीन्स याद आ गए। यूजर्स ने हिट 3के सीन्स की तुलना रणबीर कपूर की एनिमल, उन्नी मुकुंदन की मार्कोऔर किलसे की। हालांकि नानी ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि हिट 3पूरी तरह से अलग जगह से संबंधित है। हैदराबाद में हिट 3के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अन्य फिल्मों से हिट 3की तुलना पर नानी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि हिट 3को एनिमल, किलया मार्कोके समान कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। यह एक अलग कहानी है, एक बार जब आप पूरी फिल्म देख लेंगे तो सब कुछ इतना स्वाभाविक लगेगा कि हिंसा बाहर नहीं आएगी।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा , गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307 , 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।